■ संक्षिप्त समाचार

www.sanjanabharati.com

दिल्ली और गौतम बुद्ध नगर से प्रकाशित। हरियाणा, पंजाब, उत्तर प्रदेश, बिहार, झारखंड व उत्तराखंड में प्रसारित

facebook.com/Sanjanabharati

राष्ट्रीय हिन्दी दैनिक

संजना भारती

RNI No. : DELHIN/2016/70240

आपका भरोसा, हमारी ताकत

2 रेल सुरक्षाः सुधार की पटरियों पर कब...

3 बालिका शिक्षा को नई उड़ान-इंद्री में 'जेनिसिस...

4 महामहिम राज्यपाल असीम कुमार घोष ने कैथल...

वर्षः 10 | अंकः 17 | दिल्ली, सोमवार, 10 नवम्बर 2025 | पृष्ठ संख्याः 4 | मूल्यः 1 रुपया

संघ में केवल हिंदू पर हिंदू धर्म नहीं, सांस्कृतिक पहचान है-भागवत

नई दिल्ली (एजेन्सी)। राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के प्रमुख मोहन भागवत ने रविवार को एक कार्यक्रम में कहा कि संघ में केवल हिंदुओं को शामिल किया जाता है, लेकिन उन्होंने यह भी स्पष्ट किया कि हिंदू कोई धर्म नहीं बल्कि भारत की सांस्कृतिक पहचान है। उनका कहना था कि जो भी भारत की भूमि का पुत्र है, वह हिंदू है, चाहे वह किसी भी मत या पंथ से क्यों न जुड़ा हो। भागवत नई दिल्ली में आयोजित 100 ईयर्स ऑफ संघ जर्नी: न्यू होराइजन्स व्याख्यान श्रृंखला में बोल रहे थे। कार्यक्रम के दौरान जब उनसे पूछा गया कि क्या मुसलमानों को संघ में आने की अनुमति है, तो उन्होंने कहा, संघ में कोई ब्राह्मण नहीं, कोई मुस्लिम नहीं, कोई ईसाई नहीं- केवल हिंदू हैं। लेकिन इसका अर्थ यह नहीं कि कोई आ नहीं सकता। मुसलमान, ईसाई या किसी भी मत के लोग संघ में आ सकते हैं, बस अपनी अलग पहचान बाहर छोड़कर भारत माता के पुत्र के रूप में आना होगा।

दूसरे चरण का प्रचार खत्म, 11 नवंबर को 122 सीटों पर दिग्गजों की अग्निपरीक्षा

बिहार (एजेन्सी)। बिहार विधानसभा चुनाव के दूसरे और आखिरी चरण का चुनावी शोर शनिवार शाम समाप्त हो गया है। राज्य के 20 जिलों की 122 सीटों पर अब किसी भी प्रकार की सभा, रैली या रोड शो पर प्रतिबंध लागू रहेगा। पहले चरण के लिए 6 नवंबर को वोटिंग हुई थी, जिसमें रिकॉर्ड 65 फीसदी मतदान हुआ था। दूसरे चरण के लिए वोटिंग 11 नवंबर को होगी, जिसमें 1302 उम्मीदवारों की किस्मत ईवीएम में कैद होगी और 14 नवंबर को चुनावी परिणाम सामने आएगा। दूसरे चरण की वोटिंग में कई बड़े राजनीतिक दिग्गजों की प्रतिष्ठा दांव पर है, जिससे मुकाबला काफी दिलचस्प हो गया है। महागठबंधन के सीएम पद के उम्मीदवार और राजद नेता तेजस्वी प्रसाद यादव इस चरण में चुनाव लड़ रहे हैं। ठ्ऊ्र के प्रमुख चेहरे उपमुख्यमंत्री सम्राट चौधरी और विजय कुमार सिन्हा भी मैदान में हैं। मुख्यमंत्री नीतीश कुमार के मंत्रिमंडल के 16 मंत्री (जिनमें उप-मुख्यमंत्री भी शामिल हैं) इस चरण में अपनी किस्मत आजमा रहे हैं। प्रमुख सीटों में तेजस्वी यादव की राघोपुर, जदयू मंत्री सुमित कुमार सिंह की चकई, भाजपा विधायक श्रेयसी सिंह की जमुई, जदयू मंत्री लेशी सिंह की धमदाहा और भाजपा मंत्री नीरज कुमार सिंह की छातापुर शामिल हैं।

प्रधानमंत्री मोदी ने उत्तराखंड की स्थापना के रजत जयंती समारोह को किया संबोधित

प्रधानमंत्री मोदी ने 8140 करोड़ रुपये से अधिक की विभिन्न विकास परियोजनाओं का उद्घाटन और शिलान्यास किया

संजना भारती/पीआईबी

देहरादून। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने देहरादून में उत्तराखंड की स्थापना के रजत जयंती समारोह को संबोधित किया। कार्यक्रम के दौरान, प्रधानमंत्री ने 8140 करोड़ रुपये से अधिक की विभिन्न विकास परियोजनाओं का उद्घाटन और शिलान्यास किया। इस अवसर पर अपने संबोधन में, श्री मोदी ने देवभूमि उत्तराखंड के लोगों को अपनी शुभकामनाएं दीं और सभी के प्रति अपना हार्दिक अभिनंदन व्यक्त करते हुए सम्मान और सेवा का संदेश दिया।

प्रधानमंत्री ने कहा कि 9 नवंबर एक लंबे और समर्पित संघर्ष का परिणाम है और यह दिन हम सभी में गर्व की गहरी भावना जगाता है। उन्होंने कहा कि उत्तराखंड की देवतुल्य जनता ने एक स्वप्न देखा था जो 25 वर्ष पूर्व श्री अटल बिहारी वाजपेयी जी की सरकार के नेतृत्व में पूरा हुआ। पिछले 25 वर्षों की यात्रा पर विचार करते हुए, श्री मोदी ने कहा कि आज उत्तराखंड जिस ऊंचाई पर पहुंचा है, उसे देखकर इस सुंदर राज्य के निर्माण के लिए संघर्ष करने वाले प्रत्येक व्यक्ति का प्रसन्न होना स्वाभाविक है। उन्होंने कहा कि जो लोग पहाड़ों से प्रेम करते हैं, उत्तराखंड की संस्कृति, इसकी प्राकृतिक सुंदरता को संजोते हैं और देवभूमि के लोगों से स्नेह रखते हैं, वे आज आनंद और उल्लास से भर गए हैं।

उत्तराखंड के सामर्थ्य को नई ऊंचाइयों तक पहुंचाने के लिए केंद्र और राज्य सरकारों की प्रतिबद्धता पर संतोष व्यक्त करते हुए, श्री मोदी ने उत्तराखंड की रजत जयंती पर सभी को हार्दिक बधाई दी। इस अवसर पर, उन्होंने आंदोलन के दौरान अपने प्राणों की आहुति देने वाले शहीदों को श्रद्धांजलि अर्पित करते हुए उस समय के सभी आंदोलनकारियों को नमन किया।

उत्तराखंड के साथ अपने गहरे भावनात्मक जुड़ाव को साझा करते हुए, श्री मोदी ने याद किया कि इस क्षेत्र की अपनी आध्यात्मिक यात्राओं के दौरान, पहाड़ों में रहने वाले अपने भाई-बहनों के संघर्ष, कड़ी मेहनत और दृढ़ संकल्प ने उन्हें हमेशा प्रेरित किया। उन्होंने कहा कि उत्तराखंड में बिताए दिनों ने उन्हें राज्य की अपार क्षमता का प्रत्यक्ष अनुभव कराया। प्रधानमंत्री ने कहा कि इसी दृढ़ विश्वास के कारण उन्होंने बाबा केदार के दर्शन के बाद घोषणा की कि यह दशक उत्तराखंड का है। राज्य के 25 वर्ष पूरे होने पर उन्होंने कहा कि यह वास्तव में उत्तराखंड के उत्थान और प्रगति का निर्णायक युग है। 25 वर्ष पहले, उत्तराखंड के नव-गठन के समय की अपार चुनौतियों को याद करते हुए श्री मोदी ने कहा कि संसाधन सीमित थे, राज्य का बजट छोटा था, आय के स्रोत कम थे और अधिकांश जरूरतें केंद्रीय सहायता से पूरी होती थीं। उन्होंने कहा कि अब तस्वीर पूरी तरह बदल गई है।

देवभूमि उत्तराखंड भारत के आध्यात्मिक जीवन की धड़कन हैः प्रधानमंत्री

कार्यक्रम में पहुंचने से पहले, उन्होंने रजत जयंती समारोह पर आयोजित एक अद्भुत प्रदर्शनी का अवलोकन किया, जिसमें पिछले 25 वर्षों में उत्तराखंड की यात्रा की झलकियां प्रदर्शित की गईं। उन्होंने कहा कि बुनियादी ढांचा, शिक्षा, उद्योग, पर्यटन, स्वास्थ्य, बिजली और ग्रामीण विकास जैसे क्षेत्रों में सफलता की कहानियां वास्तव में प्रेरणादायक हैं। प्रधानमंत्री ने कहा कि 25 वर्ष पहले उत्तराखंड का बजट केवल 4,000 करोड़ रुपये था, जो अब 1 लाख करोड़ रुपये को पार कर गया है। इस अवधि में, राज्य में बिजली उत्पादन चार गुना बढ़ा है और सड़कों की लंबाई दोगुनी हो गई है। उन्होंने कहा कि पहले, छह महीने में केवल 4,000 हवाई यात्री यहां आते थे, जबकि आज, एक दिन में 4,000 से ज्यादा यात्री हवाई यात्रा करते हैं। श्री मोदी ने बताया कि पिछले 25 वर्षों में उत्तराखंड में इंजीनियरिंग कॉलेजों की संख्या दस गुना से भी ज्यादा बढ़ गई है। उन्होंने कहा कि पहले यहां केवल एक मेडिकल कॉलेज था, जबकि आज दस हैं। उन्होंने कहा कि 25 साल पहले टीकाकरण कवरेज 25 प्रतिशत से भी कम था, लेकिन अब उत्तराखंड का लगभग हर गांव टीकाकरण कवरेज के दायरे में आता है। प्रधानमंत्री ने कहा कि उत्तराखंड ने जीवन के सभी आयामों में उल्लेखनीय प्रगति की है।

दिल्ली में आयोजित नेशनल अर्बन कॉन्क्लेव में उत्तर प्रदेश के नगर विकास एवं ऊर्जा मंत्री ए.के. शर्मा ने दूसरे दिन भी किया प्रतिभाग

उत्तर प्रदेश सरकार में नगर विकास के क्षेत्र में हो रही है क्रांतिकारी प्रगति

संजना भारती संवाददाता

नई दिल्ली। केंद्रीय मंत्री मनोहर लाल खट्टर की अध्यक्षता में नई दिल्ली में शुरू हुआ नेशनल अर्बन कॉनक्लेव दूसरे दिन चालू रहा जिसमें भारत सरकार के राज्य मंत्री टोकन साहू एवं मंत्रालय के सचिव उपस्थित रहे। मंत्री श्री शर्मा ने कॉनक्लेव में बोलते हुए उत्तर प्रदेश में नगर विकास के क्षेत्र में हो रहे कार्यों को सभी के साथ साझा किया। कॉनक्लेव में उपस्थित सभी ने यूपी के कार्यों और नवाचारों की प्रशंसा की। इस दौरान मंत्री ए के शर्मा ने बताया कि प्रधानमंत्री के विकसित भारत का चेहरा होंगे हमारे नगर। इस विजन में नगरों का बहुत महत्वूर्ण योगदान रहेगा।

उन्होंने बताया कि शहरी प्रबंधन एक गंभीर विषय है। लेकिन अच्छी बात है कि प्रधानमंत्री के नेतृत्व में इस दिशा में अच्छे प्रयास शुरू हुए हैं। इसी दिशा में उत्तर प्रदेश में पिछले कुछ वर्षों से हो रहे ऐतिहासिक कार्यों का उन्होंने उदाहरण दिया जिसकी लोगों ने तारीफ की। श्री शर्मा ने बताया कि लखनऊ का शिवरी कूड़ा प्रोसेसिंग प्लांट बन रहा है एक वैश्विक सफल गाथा जहाँ 60 वर्षों से इकट्ठा हुआ 20 लाख टन कूड़े में से तीन चौथाई से ज्यादा को प्रोसेस कर उपयोगी वस्तुएँ बनाई गई है। साथ ही 21 एकड़ जमीन खाली की गई है और वहाँ सुंदर पार्क, ऑफिस बिल्डिंग तथा मीटिंग

हॉल बनाया गया है। बाकी का कूड़ा भी कुछ महीनों में साफ हो जाएगा। इसी प्रकार आजादी के बाद से लखनऊ के घैला में इकट्ठा हुआ 7 लाख टन कूड़े के पहाड़ को खत्म कर अटल प्रेरणा पार्क बनाया गया है। इनसे निकले हुए मटेरियल से लखनऊ में यूपी दर्शन पार्क बना है। जो एक वैश्विक उदाहरण बना है। यहाँ से निकला आरडीएफ सीमेंट फैक्टरियों को और कंपोस्ट खाद किसानों को दी जा रही है। इतना ही नहीं लखनऊ से रोज का निकलने वाला 2100 टन कूड़ा अब रोज प्रोसेस करते हुए जीरो डेली वेस्ट वाला शहर बना है। अब यहाँ कूड़े के पहाड़ नहीं बनेंगे।

उन्होंने बताया कि इसी प्रकार का कार्य प्रयाग और आगरा सहित कई नगरों में हुआ है। इन खाली हो रही जगहों पर सुंदर मियावाकी वन और विविध पार्क बनाये गए हैं। प्रयाग में कूड़े के पहाड़ से निकले मेटल से शिवालय पार्क नामक सुंदर पार्क बनाया गया है।श्री शर्मा ने यह भी बताया कि पब्लिक प्राइवेट पार्टनरशिप से कई अच्छे काम हो रहे हैं और हो सकते हैं और हो रहे हैं। इसी प्रकार उन्होंने बताया कि कैसे अन्य विभागों और एजेंसियों द्वारा हो रहे कार्यों या उपस्थित की जा रही चुनौतियों का सक्षम प्रबंधन उत्तर प्रदेश में हो रहा है।

इस अवसर पर नए एवं विकसित भारत के चेहरे बनने वाले नगरीय निकायों को नगरीय क्षेत्रों में जन उपयोगी सुविधाओं के विकास एवं उस परिक्षेत्र के सभी विषयों के प्रबंधन हेतु निकायों को सर्वोच्च संस्था बनाने के उनके विधिक सुझाव को सभी ने स्वीकार किया।

सभी राज्यों के स्थापना दिवस और त्योहारों का अब दिल्ली में हो रहा भव्य आयोजनः रविन्द्र इन्द्राज

संजना भारती संवाददाता

नई दिल्ली। दिल्ली में अब विभिन्न राज्यों के स्थापना दिवस और प्रमुख त्योहारों का भव्य आयोजन हो रहा है, जो देश की विविधता में एकता की भावना को नई ऊर्जा प्रदान कर रहा है। समाज कल्याण, एससी/एसटी/ओबीसी कल्याण, सहकारिता एवं चुनाव मंत्री रविन्द्र इन्द्राज सिंह ने कहा कि यह परंपरा 'एक भारत, श्रेष्ठ भारत' की भावना को साकार करती है और दिल्ली को एक सांस्कृतिक संगम के रूप में स्थापित कर रही है।

श्री इन्द्राज, रविवार को रोहिणी सेक्टर-24 स्थित शहीद भगत सिंह पार्क में आयोजित उत्तराखंड राज्य स्थापना दिवस समारोह में मुख्य अतिथि के रूप में उपस्थित रहे। इस अवसर पर उत्तरांचल धार्मिक, सामाजिक विकास संस्था द्वारा आयोजित देवभूमि परिवार खेल दिवस में उत्तराखंड की संस्कृति, पारंपरिक लोकनृत्य, खेलकूद और लोकगीतों का शानदार प्रदर्शन किया गया।

समाज कल्याण मंत्री ने कहा कि दिल्ली सभी राज्यों की संस्कृति, भाषा और परंपरा को समान रूप से अपनाने वाला प्रदेश है। यही दिल्ली की पहचान और भारत की असली ताकत है। दिल्ली सरकार ने तय किया है कि हर राज्य के स्थापना दिवस पर उसकी महान संस्कृति और योगदान का भव्य आयोजन यहां किया जाएगा, ताकि देश की एकता की भावना और भी प्रबल हो। उन्होंने आगे कहा कि हाल ही में दिल्ली में छठ महापर्व का अभूतपूर्व आयोजन किया गया, जिसमें लाखों श्रद्धालुओं ने उत्साहपूर्वक भाग लिया। उन्होंने कहा यशस्वी प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी जी और माननीय मुख्यमंत्री श्रीमती रेखा गुप्ता जी के नेतृत्व में पहली बार इतने भव्य आयोजन देखने को मिल रहे हैं। इन आयोजनों से देश में एक भारत, श्रेष्ठ भारत की भावना और भी सशक्त हो रही है।

इस अवसर पर बड़ी संख्या में दिल्ली और उत्तराखंड मूल के नागरिक, सामाजिक संस्थाओं के प्रतिनिधि, वरिष्ठ अधिकारी एवं जनप्रतिनिधि उपस्थित रहे।

पराली आगजनी से हुए नुकसान का स्पीकर हरविंद्र कल्याण ने लिया जायजा

■ कृषि विभाग को सौंपी रिपोर्ट तैयार करने की जिम्मेदारी, मुआवजा नीति पर सरकार से होगी चर्चा

एसबी विशेष संवाददाता

करनाल। हरियाणा विधानसभा अध्यक्ष हरविंद्र कल्याण ने गांव बस्सी अकबरपुर में किसान पाला नंबरदार के खेतों का दौरा कर पराली में आग लगने से हुए नुकसान का स्थलीय निरीक्षण किया। उन्होंने कृषि विभाग के अधिकारियों को निर्देश दिए कि नुकसान का विवरणात्मक आकलन कर रिपोर्ट जल्द तैयार की जाए ताकि प्रभावित किसान को राहत मिल सके।

किसान पाला नंबरदार ने विधानसभा अध्यक्ष को बताया कि उन्होंने करीब 500 एकड़ क्षेत्र में धान की पराली की गांठें एकत्रित की थीं, जिनमें 7 नवम्बर की रात को अचानक आग लग गई। आग इतनी तेजी से फैली कि पराली की सारी गांठें जलकर राख हो गईं, जिससे उन्हें भारी आर्थिक नुकसान हुआ। किसान ने मुआवजे की मांग करते हुए कहा कि यह नुकसान उनकी सालभर की मेहनत पर भारी पड़ा है।

विधानसभा अध्यक्ष हरविंद्र कल्याण ने किसान को भरोसा दिलाया कि प्रशासन नुकसान की रिपोर्ट तैयार कर सरकार को भेजेगा और इस तरह की घटनाओं में किसानों को राहत दिलाने के लिए मुआवजा नीति पर सरकार से चर्चा की जाएगी। उन्होंने एसएचओ को निर्देश दिए कि यदि आग किसी शरारत या जानबूझकर की गई कार्रवाई का परिणाम है तो उसकी गहन

जांच कर जिम्मेदार व्यक्ति के खिलाफ कार्रवाई की जाए। इस मौके पर एसडीएम राजेश सोनी, कृषि उपनिदेशक वजीर सिंह, नायब तहसीलदार अरविन्द यादव सहित कई अधिकारी मौजूद रहे।

बिहार में एनडीए की डबल इंजन सरकार का बनना तय : मनीष शेखर

■ मनीष शेखर ने पिपरा से श्यामबाबू यादव, कल्याणपुर से सचीन्द्र सिंह एवं केसरिया से शालिनी मिश्रा को जिताने का किया अपील

संजना भारती संवाददाता

मोतिहारी। पशुधन विभाग भारतीय जनता पार्टी किसान मोर्चा के पूर्व राष्ट्रीय संयोजक श्री मनीष कुमार शेखर ने रविवार को पिपरा, कल्याणपुर एवं केसरिया विधानसभा क्षेत्र में जनसंपर्क कर एनडीए प्रत्याशी को जिताने की अपील किया। श्री शेखर ने पिपरा से एनडीए प्रत्याशी श्री श्यामबाबू यादव, कल्याणपुर से एनडीए प्रत्याशी श्री सचीन्द्र सिंह एवं केसरिया से एनडीए प्रत्याशी श्रीमती शालिनी मिश्रा के लिए समर्थन मांगा।

श्री शेखर ने कहा कि बिहार विकास की गति पकड़ लिया है जो प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी एवं मुख्यमंत्री श्री नीतीश कुमार के संकल्प का परिणाम है। जो लोग बिहार को लुटा है वहीं लोग झुठे वादे करके किसी भी तरह सत्ता में आकर बिहार को फिर से लुटना चाह रहे हैं जो अब संभव नहीं है। बिहार के युवाओं ने मन बना लिया है कि फिर से एक बार डबल इंजन की सरकार बनानी है। शेखर ने कहा कि डबल इंजन की सरकार के

निरंतर प्रयास से बिहार में विकास की गाड़ी को पटरी पर लाया गया है। बिहार के विकास की गाड़ी को तेज रफ्तार के लिए डबल इंजन की सरकार जरूरी है। बिहार को लुटने वालों के झुठे वादों को जनता समझ गई है। बिहार में फिर एकबार डबल इंजन की एनडीए सरकार बनना तय है।

जनसंपर्क में श्री शेखर के साथ नरसिंह बाबा हनुमान मंदिर आश्रम मोतिहारी के पीठाधीश्वर श्री मुरारी बाबा, सामाजिक कार्यकर्ता श्री अखिलेश सिंह, श्री नरेन्द्र तिवारी, श्री अरूण कुमार सिंह, श्री प्रदुम्न कुमार सिंह आदि साथ थे।

सम्पादकीय

गैस चेंबर में तब्दील हो चुकी है राजधानी दिल्ली!

पिछले महीने तक जो लोग इस बात की खुशियां मना रहे थे कि सुप्रीम कोर्ट ने ग्रीन पटाखे जलाने की अनुमति देकर हिंदू धर्म की लाज रख ली, अब वही लोग हांफ रहे हैं, सांस लेने में तकलीफ महसूस कर रहे हैं, नजला-जुकाम का शिकार हो रहे हैं। और वही लोग क्यों इस समय राजधानी दिल्ली गैस चेंबर में तब्दील हो चुकी है, लिहाजा सारे लोग ही इन तमाम बीमारियों का शिकार हो रहे हैं। बल्कि जानकारों का कहना है कि वायु प्रदूषण केवल सांस संबंधी तकलीफें नहीं देता, इंसान के फेफड़ों, हृदय, गुर्दे सबको क्षतिग्रस्त कर रहा है। मधुमेह, रक्तचाप जैसी बीमारियां जो पहले वंशानुगत या अनियमित जीवनशैली के कारण हुआ करती थीं, अब उसमें भी वायुप्रदूषण ने ही जिम्मेदारी ले ली है। अगर कहा जाए कि वायु प्रदूषण सभी को धीमी मौत दे रहा है, तो गलत नहीं होगा। वैसे भी कई अध्ययनों में कहा गया है कि दिल्ली में रहने वाले लोगों की उम्र 10 साल कम हो रही है, क्योंकि उन पर खराब हवा का असर हो रहा है। हालांकि दिल्ली ही क्या देश के दूसरे राज्यों में भी ऐसे ही अध्ययन हों तो नतीजों में ज्यादा अंतर नहीं आएगा। दिल्ली का वायुप्रदूषण इसलिए चर्चा में आ जाता है क्योंकि देश की राजधानी है तो खबरों में बनी ही रहती है। ऊपर से धुंध और धुएं की जो मोटी चादर यहां के आसमान को ढंक लेती है, वह फौरन दिख जाती है। दूसरे शहरों में जहरीली धुंध नहीं होती, लेकिन वायु में दूसरे हानिकारक तत्व मिले ही होते हैं। बहरहाल, दिल्ली का वायु प्रदूषण इस साल राजनैतिक कारणों से भी चर्चा में है। पिछले साल तक यहां आम आदमी पार्टी की सरकार थी, लिहाजा भाजपा के लिए इसके खिलाफ आवाज उठाना आसान था, यह राजनैतिक मजबूरी भी थी। दिल्ली के साथ लगे हाथ पंजाब सरकार को भी भाजपा निशाने पर लेती थी, क्योंकि वहां भी आप की सरकार है और पराली जलाने को प्रदूषण का बड़ा कारक माना जाता है। लेकिन अब दिल्ली में रेखा गुप्ता मुख्यमंत्री हैं, जो प्रधानमंत्री मोदी की तरह काम करने से अधिक फोटो खिंचवाने या चुनाव प्रचार में व्यस्त रहती हैं। कुछ समय पहले रेखा गुप्ता की हाथ में झाड़ू वाली तस्वीर आई थी, जिसे अलग-अलग एंगल से कैमरामेन कवर कर रहे थे। रेखा गुप्ता ने यमुना साफ करने का वादा भी चुनावों में किया था और उसके बाद छठ पूजा के समय बताया कि यमुना नदी साफ हो चुकी है। लेकिन असल में गंदगी वाले झाग को दबाने के लिए उस पर रसायन का छिड़काव हुआ था। इसलिए प्रधानमंत्री की छठपूजा के लिए साफ पानी का अलग तालाब उन्होंने बनवाया, जिसका पदार्फाश आम आदमी पार्टी ने किया तो फिर प्रधानमंत्री छठ पूजा के लिए ही नहीं आए। इसका भरपूर रोना उन्होंने बिहार चुनावों में रोया। रेखा गुप्ता भी बिहार में कई बार चुनाव प्रचार के लिए पहुंची।

कविता

जब दर्द के आग में सोच महान हो जाला,
तब जिनगी के हर सच क पहचान हो जाला।

प्यार, सूरज, आस खुशहाली क साथी ह,
छन में रात, छन में बिहान हो जाला।

काँटा चुभे तब फूल क याद आ जाला,
दर्द घटे, बस याद निशान रह जाला।

आँखिया से लोर गिरे बिना बोली-बतियाइ
हर बूँद में बस जुबान रह जाला

रंग देह के नाहीं, मनवा क सोहाग होला,
रूप के रेखा में जब अपमान रह जाला।

गीत भुला के नेह वाला सुर सजेला,
छोटी बात, मगर दिलवा में अरमान रह जाला।

-संजय सिंह

जयंती

सुरेन्द्रनाथ बनर्जी

जन्म-10 नवम्बर, 1848, कलकत्ता; मृत्यु-6 अगस्त, 1925, बैरकपुर, प्रसिद्ध स्वाधीनता सेनानी थे, जो कांग्रेस के दो बार अध्यक्ष चुने गए। उन्हें 1905 का 'बंगाल का निमार्ता' भी जाता है। उन्होंने भारतीय राष्ट्रीय समिति की स्थापना की, जो प्रारंभिक दौर के भारतीय राजनीतिक संगठनों में से एक था और बाद में वह भारतीय राष्ट्रीय कांग्रेस के एक वरिष्ठ नेता बन गए।

पुण्यतिथि

विजयदान देथा

जन्म-1 सितम्बर, 1926-मृत्यु: 10 नवम्बर, 2013, जिन्हें 'बिज्जी' के नाम से भी जाना जाता है, राजस्थान के प्रसिद्ध लेखक और पद्म श्री पुरस्कार से सम्मानित व्यक्ति थे। उन्हें साहित्य अकादमी पुरस्कार और साहित्य चुड़ामणी पुरस्कार जैसे विभिन्न अन्य पुरस्कारों से भी समानित किया जा चुका था। विजयदान देथा की राजस्थानी भाषा में चौदह खडों में प्रकाशित बाताँ री फुलवारी के दसवें खण्ड को भारतीय राष्ट्रीय साहित्य अकादमी द्वारा पुरस्कृत किया गया, जो राजस्थानी कृति पर पहला पुरस्कार है।

कल मिलेंगे

सास ने अपनी नई बहू को बुलाया और कहा-
आज तुम्हारा इस घर में पहला दिन है
तो जाओ रसोई में जाकर सबके लिए कुछ बना लो
बहू ने सास से पूछा-क्या बनाऊं मम्मी जी?
सास-जो तुम्हे सबसे ज्यादा पसंद हो वो बना लाओ
बहू किचन में गयी और कुछ देर बाद आवाज लगाई,
मम्मी जी आप लोग सोडा मिला कर लेते हैं या पानी से
सास बेहोश.....

संजना भारती दैनिक

भगवान शंकर जी के 11वें रुद्रावतार हनुमान जी (मेंहदीपुर, श्री बाला जी) के संरक्षण में संचालित किया जाता है। समाचार पत्र का यह अंक भी उन्हीं के चरणों में श्रद्धापूर्वक समर्पित है।

स्वामी, मुद्रक, प्रकाशक एवं संपादक-**संजय कुमार** द्वारा आर.डी. प्रिंटर एंड पब्लिशर्स प्राइवेट लिमिटेड, ए-41, सेक्टर-8, नोएडा, उत्तर प्रदेश से मुद्रित तथा ए-281सी, गली नं. 3, ए-ब्लॉक, अम्बिका विहार, शिव विहार, दिल्ली-110094 से प्रकाशित। इस अंक में प्रकाशित समस्त समाचारों के चयन एवं संपादन हेतु पी.आर.बी. एक्ट के अंतर्गत संपादक उत्तरदायी।

RNI No. : DELHIN/2016/70240

Phone No.: 9871221635

E-mail ID: sanjanabharati16@gmail.com

(किसी भी वाद-विवाद में न्याय क्षेत्र दिल्ली ही होगा।)

रेल सुरक्षा: सुधार की पटरियों पर कब चढ़ेगा सिस्टम?

-योगेश कुमार गोयल

भारत में आज रेलवे की सबसे बड़ी आवश्यकता है सुरक्षा का वास्तविक आधुनिकीकरण। केवल कवच सिस्टम ही नहीं बल्कि ट्रैक मॉनिटरिंग के लिए ड्रोन सर्वे, स्वचालित सिग्नलिंग, लोको पायलट के थकान-निगरानी उपकरण और रीयल-टाइम संचार प्रणाली की अनिवार्यता। 2024 में रेलवे ने दावा किया था कि 2027 तक 50,000 किलोमीटर नेटवर्क कवच से लैस होगा लेकिन आज की प्रगति देखकर यह लक्ष्य किसी दिवास्वप्न जैसा लगता है

भारत की रेल पटरियां देश की धमनियां कही जाती हैं, जो प्रतिदिन करोड़ों लोगों को उनके गंतव्य तक पहुंचाती हैं, जो अर्थव्यवस्था का इंजन चलाती हैं, जो इस विशाल देश की सामाजिक-सांस्कृतिक एकता का प्रतीक हैं लेकिन जब इन्हीं पटरियों पर बार-बार मौत की चीखें गूंजती हैं तो सवाल केवल हादसों का नहीं रहता बल्कि उस पूरे तंत्र की आत्मा पर उठता है, जिसने सुरक्षा को केवल एक चुनावी घोषणापत्र सरीखा बनाकर रख दिया है। बिलासपुर के लालखदान में हुआ हालिया रेल हादसा इसी गहरी लापरवाही का ताजा उदाहरण है, जहां एक मेमू ट्रेन मालगाड़ी से टकरा गई, 11 यात्रियों की मौत हो गई और 25 से ज्यादा घायल हो गए। इंजन मालगाड़ी के गार्ड केबिन पर चढ़ गया और वह मंजर किसी युद्धस्थल से कम नहीं था।

छत्तीसगढ़ के बिलासपुर की यह दुर्घटना देश के लिए महज एक और संख्या नहीं है बल्कि इस बात की प्रतीक है कि भारत के रेल तंत्र में तकनीक, सतर्कता और जवाबदेही का घोर अभाव है। बिलासपुर कलेक्टर के अनुसार, ट्रेन कोरबा से बिलासपुर के लिए रवाना हुई थी और गतौरा-बिलासपुर के बीच मालगाड़ी से टकरा गई। इस टक्कर ने एक बार फिर यह उजागर कर दिया कि देश में रेलवे की सुरक्षा व्यवस्था आज भी कागज पर कवच से ज्यादा कुछ नहीं है। इस हादसे की भयावहता के साथ ही जब हम इसी साल के कुछ अन्य रेल हादसों पर नजर डालते हैं, तो एक सिहरन सी उठती है। महाराष्ट्र के ठाणे में जून 2025 में चार यात्रियों की मौत केवल इसलिए हुई थी क्योंकि भीड़भाड़ वाली दो लोकल ट्रेनों में पायदान पर लटकते यात्रियों के बैग आपस में टकरा गए थे। बिहार के कटिहार में जून 2025 में अवध असम एक्सप्रेस रेलवे ट्रॉली से टकरा गई, जिससे एक ट्रॉलीमैन की मौत और चार कर्मचारी गंभीर घायल हुए। मार्च में ओडिशा के कटक जिले में बेंगलुरू-कामाख्या सुपरफास्ट एक्सप्रेस के 11 डिब्बे पटरी से उतर गए थे। अप्रैल 2025 में झारखंड के साहेबगंज में दो मालगाड़ियों की टक्कर में दो लोगों की मौत हुई। जुलाई 2025 में उसी जिले के बरहड़वा में बिना लोको पायलट की 14 बोगियां तेज रफ्तार से दौड़ती हुई दूसरी मालगाड़ी से जा टकराईं।

बिलासपुर का हादसा तो इस साल का सबसे बड़ी रेल दुर्घटना बन चुका है। यह स्पष्ट संकेत है कि हादसे अब अपवाद नहीं बल्कि एक भयानक पैटर्न बन चुके हैं। हर बार रेल मंत्रालय बयान देता है, दोषियों पर कार्रवाई होगी, मुआवजा दिया जाएगा, जांच समिति गठित की गई है, और फिर कुछ ही दिनों में सब भुला दिया जाता है। सवाल है कि क्या रेलवे अब केवल प्रतिक्रिया देने वाला तंत्र बन गया है, जहां कार्रवाई केवल तभी होती है, जब हादसा हो चुका होता है? भारत में रेल हादसों का इतिहास उतना ही पुराना है, जितनी रेल सेवा स्वयं। भारत में हर साल बहुत बड़ी संख्या में होने वाले रेल हादसों में से करीब 70 प्रतिशत हादसे मानव त्रुटि के कारण होते हैं यानी कि या तो सिग्नलिंग सिस्टम में गलती या ट्रैक निरीक्षण में लापरवाही या फिर ट्रेन संचालन में मानवीय भूल। शेष हादसे तकनीकी खराबी, पुरानी पटरियों, रखरखाव की कमी और ओवरलोडिंग के कारण होते हैं।

इन तथ्यों से यह साफ हो जाता है कि भारत की रेल प्रणाली में सुरक्षा संस्कृति का अभाव है। यहां तकनीक पर निवेश से अधिक जोर घोषणाओं पर है। बीते वर्षों से कवच सिस्टम को लेकर खूब प्रचार किया गया, कहा गया कि यह एक ऐसा स्वदेशी एंटी-कोलिजन सिस्टम है, जो दो ट्रेनों को टकराने से बचाएगा लेकिन आज की हकीकत यह है कि देश के केवल 4 प्रतिशत रेल नेटवर्क पर ही कवच लागू हुआ है, बाकी 96 प्रतिशत ट्रैक आज भी मानव सतर्कता पर निर्भर हैं और यही सबसे बड़ा खतरा है। रेल प्रशासन का रवैया भी उतना ही असंवेदनशील है। हादसे के बाद मृतकों के परिजनों को मुआवजा देने की घोषणा कर दी जाती है लेकिन यह मुआवजा न किसी बच्चे को उसका पिता लौटा सकता है, न किसी पत्नी को उसका पति, न किसी मां को उसका बेटा। जरूरत मुआवजे की नहीं, जवाबदेही की है।

यह दुर्भाग्य है कि जिस भारतीय रेलवे को विश्व की चौथी सबसे बड़ी रेल व्यवस्था कहा जाता है, वहां अब भी अधिकांश ट्रैक ब्रिटिश कालीन तकनीक पर चल रहे हैं। ट्रेन ड्राइवरों को 8 से 12 घंटे तक बिना विश्राम रेल चलाने की मजबूरी, सिग्नलिंग उपकरणों की खराबी और निरीक्षण प्रणाली की औपचारिकता, ये सब मिलकर दुर्घटना की जमीन तैयार करते हैं। ऐसी किसी भी घटनां के बाद हर बार राजनीतिक बयानबाजी शुरू होती है, रेल मंत्री हादसे की उच्चस्तरीय जांच का ऐलान करते हैं और कुछ हफ्तों बाद कोई नई परियोजना या वंदे भारत उद्घाटन के बीच वह घटना जनता की स्मृति से मिट जाती है लेकिन जो परिवार अपनों को खो चुके होते हैं, उनके लिए वह हादसा जीवनभर की सजा बन जाता है।

भारत में आज रेलवे की सबसे बड़ी आवश्यकता है सुरक्षा का वास्तविक आधुनिकीकरण। केवल कवच सिस्टम ही नहीं बल्कि ट्रैक मॉनिटरिंग के लिए ड्रोन सर्वे, स्वचालित सिग्नलिंग, लोको पायलट के थकान-निगरानी उपकरण और रीयल-टाइम संचार प्रणाली की अनिवार्यता। 2024 में रेलवे ने दावा किया था कि 2027 तक 50,000 किलोमीटर नेटवर्क कवच से लैस होगा लेकिन आज की प्रगति देखकर यह लक्ष्य किसी दिवास्वप्न जैसा लगता है। नवंबर 2024 तक कवच सिस्टम लगभग 1,548 किलोमीटर ट्रैक पर लागू हो चुका था और उसके बाद से धीमी गति से इसका विस्तार जारी है। ऐसे में 2027 तक 50,000 किलोमीटर कवच से लैस करने का लक्ष्य प्राप्त करना अभी बहुत चुनौतीपूर्ण दिख रहा है और लक्ष्य से काफी पीछे है। विस्तृत कवच नेटवर्क के लिए काफी संसाधन और समय की आवश्यकता है। सवाल यह भी है कि जब देश अंतरिक्ष में चंद्रयान उतार सकता है तो पटरियों पर सुरक्षित यात्रा क्यों नहीं सुनिश्चित कर सकता? यह केवल तकनीक का नहीं, प्राथमिकता का प्रश्न है। जब तक सुरक्षा को मुनाफे से ऊपर नहीं रखा जाएगा, जब तक रेल बजट में सुरक्षा खंड को लागत नहीं बल्कि निवेश नहीं माना जाएगा, तब तक यह रक्तरंजित यात्रा जारी रहेगी।

बहरहाल, अब समय आ गया है, जब रेल हादसों को मात्र दुर्घटनाएं कहकर टाला नहीं जा सकता क्योंकि ये घटनाएं अब प्रशासनिक अपराधों का रूप ले चुकी हैं। हर साल निर्दोष नागरिकों की जानें जाती हैं और जिम्मेदारी जांच रिपोर्टों की धूल में दबी रह जाती है। देश को अब उस मानसिकता से बाहर निकलना होगा, जहां हादसे के बाद कार्रवाई ही नीति बन चुकी है। आवश्यकता है ऐसी व्यवस्था की, जो दुर्घटनाओं से पहले सतर्कता और रोकथाम सुनिश्चित करे। यात्रियों की सुरक्षा कोई दया नहीं, उनका संवैधानिक अधिकार है, जो केवल कागज पर नहीं, पटरियों पर भी सुरक्षित होना चाहिए। जब तक हर ट्रेन यात्रा भय से नहीं, विश्वास से शुरू और समाप्त नहीं होती, तब तक भारतीय रेल प्रगति की नहीं, असंवेदनशीलता की प्रतीक बनी रहेगी। सच्चा विकास तभी होगा, जब हर गंतव्य तक पहुंचने वाली ट्रेन हर यात्री को सुरक्षित जीवन की गारंटी दे सके।

(लेखक साढ़े तीन दशक से पत्रकारिता में निरंतर सक्रिय वरिष्ठ पत्रकार हैं)

(इस लेख में लेखक के अपने विचार हैं।)

इतिहास में सिर्फ वोट कटुआ के नाम से ही जाने जाएंगे ओवैसी!

-शकील अख्तर

आजादी के आन्दोलन में उसके नेता गांधी और नेहरू थे। आजादी के बाद नेहरू, इन्दिरा, मुलायम सिंह यादव, लालू प्रसाद यादव, अर्जुन सिंह। बीच में उस समय तक जब तक हेमवतीनंदन बहुगुणा भाजपा से मिल नहीं गए थे वे मुस्लिमों के नेता रहे। सिद्धांत के तौर पर ही यह गलत बात है कि किसी भी धर्म या जाति का नेतृत्व उसी के धर्म या जाति वाला करे। दलित आज मायावती के नेतृत्व में विश्वास करके यह दु:ख झेल रहे हैं

असदुद्दीन ओवैसी की कामयाबी बस इतिहास में इसी तरह दर्ज होगी कि वोट काटने के मामले में वे मायावती, केजरीवाल और प्रशांत किशोर से ऊपर थे। 11 नवंबर को बिहार में दूसरे दौर का मतदान होना है और यही फैसला करेगा कि बिहार में किसकी सरकार बनेगी। इसमें सीमांचल की वे 24 सीटें भी हैं जो मुस्लिम बहुल कहलाती हैं और जहां ओवैसी अपनी पूरी जी जान लगाए हुए हैं। मुस्लिम के वोट ज्यादा से ज्यादा काटकर बीजेपी को फायदा पहुंचाने के लिए।

पिछली बार 2020 में उनकी पार्टी एआईएमआईएम ने यहां से 5 सीटें जीतकर महागठबंधन की सरकार बनने में सबसे बड़ा रोड़ा अटकाया था। 14 प्रतिशत से ज्यादा मुस्लिम के वोट उन्हें मिले थे। जो जाहिर है सीधा महागठबंधन को नुकसान पहुंचाने वाले साबित हुए। वोट कटने के कारण 24 में आधी 12 सीटें एनडीए जीत गया था। जिनमें से 8 बीजेपी। महागठंबधन केवल 7 सीटों पर सिमट गया। और 5 ओवैसी ले गए। चार जिलों किशनगंज, कटिहार, अररिया और पूर्णिया के इस इलाके को ही सीमांचल कहते हैं। यहां मुस्लिम आबादी करीब 45 प्रतिशत है। किशनगंज में सबसे ज्यादा 67 प्रतिशत। यहीं से कांग्रेस ने पत्रकार एमजे अकबर को चुनाव लड़वा कर लोकसभा पहुंचाया था। जो बाद में बीजेपी में चले गए। और अब वहां से भी बाकी मुस्लिम नेताओं मुख्तार अब्बास नकवी, शाहनवाज हुसैन, नजमा हेपतुल्ला की तरह साइड लाइन कर दिए गए हैं।

अब इनकी जगह बीजेपी ओवैसी को ले आई है। और अब चूंकि वह वाजपेयी के समय की तरह दुनिया दिखाने के लिए भी सब वर्गों की बात नहीं करती है तो इसलिए वह अंदर किसी मुस्लिम को लाकर वोट काटने की राजनीति के बदले बाहर से ओवैसी की तरह के लोगों से वोट कटवाती है।

इस बार ओवैसी 25 सीटों पर बिहार में चुनाव लड़ रहे हैं। जिनमें से 15 सीटें सीमांचल की हैं। मुस्लिमों के जज्बाती सवाल उठाकर वे इस बार फिर 2020 की तरह एनडीए की सरकार बनवाने की कोशिश कर रहे हैं। लेकिन इस बार एक बड़ा फर्क है। पिछली बार नीतीश मुख्यमंत्री बन गए थे। जिन्होंने काफी हद तक बिहार को उत्तर प्रदेश बनने से रोका हुआ था। मगर इस बार बीजेपी खुद अपना मुख्यमंत्री बनाना चाह रही है। नीतीश को अभी तक बीजेपी ने उस तरह मुख्यमंत्री पद का उम्मीदवार घोषित नहीं किया है जिस तरह महागठबंधन ने तेजस्वी को कर दिया है।

बिहार में बीजेपी का मुख्यमंत्री बनने का मतलब है बुलडोजर की एंट्री। और इस बुलडोजर राजनीति को लाने में सबसे बड़ा योगदान ओवैसी निभा रहे हैं। वे प्रधानमंत्री मोदी के कितने खास हैं वह इससे समझा जा सकता है कि अभी आपरेशन सिंदूर के बाद दुनिया में अपना पक्ष रखने के लिए प्रधानमंत्री मोदी ने जिन सांसदों को विदेश भेजा था उनमें ओवैसी प्रमुख थे। देश का पक्ष रखना अच्छी बात है मगर सबको मालूम था कि मोदी वहां देश की नहीं अपनी छवि बनाने के लिए यह प्रतिनिधि मंडल भेज रहे हैं। नहीं तो उस पूरी विदेश यात्रा के दौरान भाजपा के एक सांसद निशिकांत दुबे वहां से रोज कैसे विपक्ष के खिलाफ एक बयान जारी करते थे। ट्वीट के माध्यम से। न सरकार और न विदेश गए ओवैसी या कांग्रेस के नेता सलमान खुर्शीद, मनीष तिवारी, आनंद शर्मा इसका विरोध करते थे कि भाई हम यहां देश का पक्ष रखने आए हैं या नेहरू, इन्दिरा का विरोध करने। और मजेदार बात यह कि अब वही बात प्रधानमंत्री मोदी ने भी कह दी। बिहार में चुनाव प्रचार करते हुए उन्होंने कहा कि आपरेशन सिंदूर में पाकिस्तान को हुए नुकसान पर यहां हमारे यहां विपक्ष मातम मना रहा था। मतलब ओवैसी जो विदेश में पाकिस्तान के खिलाफ बोल रहे थे वे यहां पर पाकिस्तान के साथ थे? मोदी जी सबका उपयोग करने में माहिर हैं। अभी आडवानी के 98 साल पूरे होने पर उन्हें गुलदस्ता देने पहुंच गए थे। जहां फोटो में बेबस आडवानी नजर आ रहे हैं।

गुजरात दंगों और उसके बाद के बाद आडवानी ही उनके सबसे बड़े समर्थक और रक्षक थे। मगर प्रधानमंत्री बनते ही उन्होंने सबसे पहले आडवानी को किनारे लगाया। ओवैसी पर कोई ईडी, सीबीआई, इनकम टैक्स का छापा नहीं। बाकी विपक्ष के छोटे-छोटे नेता भी इनके प्रकोप से नहीं बचे। इसके बदले ओवैसी मोदी की हर चुनाव वाले राज्य में मदद कर रहे हैं। यूपी में लड़े ही थे। मध्य प्रदेश भी पहुंच गए थे। वे एक सबसे खतरनाक नारा उठा रहे हैं। अपनी कयादत का। मुस्लिम नेतृत्व का। मतलब मुस्लिम का नेता मुस्लिम ही होना चाहिए। भारत के मुस्लिम ने इसका हमेशा विरोध किया है। उसने अपना नेता जिन्ना को नहीं नेहरू को माना था। बीजेपी को अपने सांप्रदायिक नफरत का जहर फैलाने के लिए यह बात सबसे ज्यादा सूट करती है कि भारत का मुस्लिम अपने नेतृत्व के तौर पर सिर्फ मुस्लिम को ही स्वीकार करे। लेकिन भारतीय मुस्लिम ने यह कभी स्वीकार नहीं किया।

आजादी के आन्दोलन में उसके नेता गांधी और नेहरू थे। आजादी के बाद नेहरू, इन्दिरा, मुलायम सिंह यादव, लालू प्रसाद यादव, अर्जुन सिंह। बीच में उस समय तक जब तक हेमवतीनंदन बहुगुणा भाजपा से मिल नहीं गए थे वे मुस्लिमों के नेता रहे। सिद्धांत के तौर पर ही यह गलत बात है कि किसी भी धर्म या जाति का नेतृत्व उसी के धर्म या जाति वाला करे। दलित आज मायावती के नेतृत्व में विश्वास करके यह दुःख झेल रहे हैं। पिछले 11 साल में उन पर जबर्दस्त अत्याचार बढ़े, सरकारी नौकरी नहीं निकाल कर उनका आरक्षण खत्म किया गया। और अब तो विश्वविद्यालय और दूसरे अच्छी पोस्टों पर नाट फाउंड सुटेबल (एनएफएस) कहकर उनका अपमान भी किया जा रहा है। आप योग्य ही नहीं हो। सोशल मीडिया तो पूरा आरक्षण और आरक्षण प्राप्त वर्ग को गाली देने से भरा हुआ है। दलित यह समझने लगा है कि अपने नेतृत्व के नाम पर मायावती या पासवान जैसों को चुनकर उसने कुछ भी हासिल नहीं किया है। कांग्रेस के नेता चाहे किसी जाति धर्म के हों दलित के साथ मजबूती से खड़े होते थे। गांधी नेहरू परिवार तो हर कमजोर के साथ हमेशा मजबूती से खड़ा होता रहा है। आज उस पर भाजपा मुस्लिम समर्थक होने का आरोप लगाती है। पहले दलित समर्थक होने का लगाती थी। बहुगुणा की तरह बाबू जगजीवन राम भी बाद में बीजेपी (जनता पार्टी) के साथ चले गए मगर पहले भाजपा को कांग्रेस से सबसे बड़ी शिकायत यह थी कि उसने जगजीवन राम को बड़ा नेता बना दिया। कयादत एक जज्बाती ख्वाब है जिससे मुस्लिम को कुछ हासिल नहीं होगा। हां भाजपा के ध्रुवीकरण में यह सबसे ज्यादा फायदा पहुंचाएगा।

बिहार के बाद असम, बंगाल, केरल में विधानसभा चुनाव हैं। यह वे तीन राज्य हैं जहां मुस्लिम आबादी सबसे ज्यादा है। असम 34 प्रतिशत, बंगाल 27 प्रतिशत और केरल 26 प्रतिशत। अगर बिहार में जहां मुस्लिम आबादी लगभग 18 फीसदी है वहां ओवैसी को जरा भी सफलता मिल गई तो वह इन तीनों राज्यों में अपनी कयादत का मुद्दा लेकर जाएंगे। और बीजेपी को मदद पहुंचाएंगे। 2020 के विधानसभा में महागठबंधन केवल 12 हजार वोटों से पीछे रह गया था। एनडीए और महागठबंधन दोनों को लगभग- लगभग 37 प्रतिशत वोट मिले थे। और सीटें भी केवल 12 एनडीए को ज्यादा मिली थीं। एनडीए 125 और महागठबंधन 110। और यह भी ध्यान रखें की 11 सीटों पर जीत-हार का अंतर हजार वोट से कम का था। और 52 सीटों पर पांच हजार से कम वोटों का।

(लेखक वरिष्ठ पत्रकार है)

खेल/विदेश/कारोबार/फिल्म

जापान में 6.8 तीव्रता का भूकंप, इवाते प्रांत के लिए सुनामी अलर्ट जारी

(एजेन्सी)। **जापान** में रविवार शाम को समुद्र में आए तेज झटकों के बाद इवाते प्रांत के लिए सुनामी अलर्ट जारी किया गया है। जानकारी के मुताबिक, स्थानीय समयानुसार शाम करीब 5:03 बजे उत्तरी प्रशांत महासागर क्षेत्र में 6.8 तीव्रता का भूकंप आया, जिसके बाद जापान मौसम विज्ञान एजेंसी ने चेतावनी जारी की है। मौजूद जानकारी के अनुसार, यह भूकंप इवाते के तट से दूर समुद्र में आया था और इसके बाद एक मीटर तक ऊंची लहरों वाली सुनामी आने की आशंका जताई गई है। हालांकि, राष्ट्रीय प्रसारक एनएचके के अनुसार, तटीय इलाकों में समुद्र की लहरों में हलचल देखी गई है, लेकिन टीवी फुटेज में समुद्र सामान्य दिखाई दे रहा है। फिर भी, प्रशासन ने लोगों से समुद्र किनारे जाने से बचने की अपील की है।

भारत के नेशनल सेंटर फॉर सीस्मोलॉजी ने भी इस भूकंप की पुष्टि की है। ठउर के अनुसार, यह भूकंप 6.6 तीव्रता का था और करीब 30 किलोमीटर की गहराई में दर्ज किया गया। इसका केंद्र 39.51° उत्तर अक्षांश और 143.38° पूर्व देशांतर पर उत्तर प्रशांत महासागर में स्थित बताया गया है।

गौरतलब है कि जापान दुनिया के सबसे भूकंप-संवेदनशील देशों में से एक है, क्योंकि यह चार प्रमुख टेक्टोनिक प्लेटों के संगम पर स्थित है। यहां हर साल करीब 1,500 भूकंप आते हैं, जिनमें से ज्यादातर हल्के झटके होते हैं, लेकिन कुछ भूकंप बड़ी तबाही मचा देते हैं। बता दें कि इसी क्षेत्र में 2011 में भी 9.0 तीव्रता का विनाशकारी भूकंप आया था, जिसने सुनामी को जन्म दिया था। उस आपदा में करीब 18,500 लोग मारे गए या लापता हो गए थे और फुकुशिमा परमाणु संयंत्र के तीन रिएक्टरों में मेल्टडाउन हो गया था। यह जापान की अब तक की सबसे बड़ी त्रासदियों में से एक मानी जाती है और दुनिया की सबसे गंभीर परमाणु दुर्घटनाओं में शामिल है।

फिलहाल, प्रशासन लगातार हालात पर नजर बनाए हुए है और लोगों से शांति बनाए रखने की अपील की गई है। राहत एजेंसियां संभावित नुकसान का आकलन कर रही हैं और इवाते तट के आसपास निगरानी बढ़ा दी गई है। स्थिति पर नियंत्रण बनाए रखने के लिए हर संभव कदम उठाए जा रहे हैं।

सेंसेक्स की शीर्ष 10 कंपनियों में से सात का बाजार पूंजीकरण 88,635 करोड़ रुपये घटा

(एजेन्सी)। **सेंसेक्स** की शीर्ष 10 सबसे मूल्यवान कंपनियों में से सात के बाजार पूंजीकरण (मार्केट कैप) में बीते सप्ताह सामूहिक रूप से 88,635.28 करोड़ रुपये की गिरावट आई। सबसे अधिक नुकसान में भारती एयरटेल और टाटा कंसल्टेंसी सर्विसेज (टीसीएस) रहीं।

पिछले सप्ताह पांच नवंबर को गुरु नानक जयंती पर शेयर बाजार बंद रहा था। सप्ताह के दौरान बीएसई का 30 शेयरों वाला सेंसेक्स 722.43 अंक या 0.86 प्रतिशत टूट गया। वहीं नेशनल स्टॉक एक्सचेंज का निफ्टी 229.8 अंक या 0.89 प्रतिशत नीचे आया।

समीक्षाधीन सप्ताह में रिलायंस इंडस्ट्रीज, एचडीएफसी बैंक, भारती एयरटेल, टाटा कंसल्टेंसी सर्विसेज (टीसीएस), आईसीआईसीआई बैंक, इन्फोसिस और हिंदुस्तान यूनिलीवर के बाजार मूल्यांकन में गिरावट आई। वहीं भारतीय स्टेट बैंक, बजाज फाइनेंस और भारतीय जीवन बीमा निगम (एलआईसी) की बाजार हैसियत बढ़ गई। सप्ताह के दौरान भारती एयरटेल का बाजार मूल्यांकन 30,506.26 करोड़ रुपये घटकर 11,41,048.30 करोड़ रुपये रह गया। टीसीएस का बाजार पूंजीकरण 23,680.38 करोड़ रुपये टूटकर 10,82,658.42 करोड़ रुपये पर आ गया। हिंदुस्तान यूनिलीवर की बाजार हैसियत 12,253.12 करोड़ रुपये घटकर 5,67,308.81 करोड़ रुपये और रिलायंस इंडस्ट्रीज का मूल्यांकन 11,164.29 करोड़ रुपये घटकर 20,00,437.77 करोड़ रुपये रह गया।

एचडीएफसी बैंक का बाजार पूंजीकरण 7,303.93 करोड़ रुपये घटकर 15,11,375.21 करोड़ रुपये पर रहा। इन्फोसिस का मूल्यांकन 2,139.52 करोड़ रुपये घटकर 6,13,750.48 करोड़ रुपये पर आ गया।

पाकिस्तान में 'संविधान बचाओ' आंदोलन, 27वें संशोधन पर सरकार-विपक्ष आमने-सामने

(एजेन्सी)। **पाकिस्तान** की संसद में प्रस्तावित 27वें संविधान संशोधन विधेयक को लेकर राजनीतिक घमासान मच गया है। जहां सरकार इसे पारित करने की तैयारी में है, वहीं विपक्षी गठबंधन ने इस कदम की कड़ी आलोचना करते हुए इसे 'संविधान की नींव हिलाने' वाला बताया है और इसके खिलाफ रविवार से देशव्यापी विरोध प्रदर्शन की घोषणा की है। प्रस्तावित 27वें संविधान संशोधन का उद्देश्य संविधान के कई प्रमुख हिस्सों को बदलना है, जिसमें सैन्य नेतृत्व से जुड़ा बदलाव सबसे अहम है, जिसके तहत अनुच्छेद 243 में संशोधन करके 'चेयरमैन ज्वाइंट चीफ्स ऑफ स्टाफ कमेटी' के पद को समाप्त कर उसकी जगह 'चीफ ऑफ डिफेंस फोर्सेज' नामक नया पद शुरू करने का प्रस्ताव है।

इसके अलावा, संशोधन में न्यायपालिका में बड़े बदलाव प्रस्तावित हैं, जैसे एक संघीय संवैधानिक न्यायालय की स्थापना करना और उच्च न्यायालय के न्यायाधीशों की नियुक्ति प्रक्रिया में संशोधन करना, साथ ही, उच्चतम न्यायालय की शक्तियों को कम करते हुए कुछ प्राधिकारों को प्रस्तावित संवैधानिक न्यायालय में स्थानांतरित करने का भी प्रस्ताव है। इन सबके अतिरिक्त, एक विवादास्पद प्रस्ताव के तहत राष्ट्रपति को आजीवन आपराधिक कार्यवाही से मुक्ति प्रदान करने का प्रावधान भी शामिल है।

इस संबंध में संसदीय प्रक्रिया चल रही है, जहां कानून मंत्री आजम नजीर तरार ने शनिवार को ऊपरी सदन सीनेट में संशोधन विधेयक पेश किया है, जिसे सभापति यूसुफ रजा गिलानी ने आगे की चर्चा के लिए सदन की समिति के पास भेज दिया है।

सरकार को उम्मीद है कि सोमवार को होने वाले मतदान में उसे कम से कम 64 सीनेटर का दो-तिहाई बहुमत मिल जाएगा, सीनेट से पारित होने के बाद, इसे नेशनल असेंबली में दो-तिहाई बहुमत से पास कराना होगा और अंत में इसे कानून बनने के लिए राष्ट्रपति की मंजूरी अनिवार्य होगी।

डिप्रेशन से उबरने में आमिर खान की बेटी ने थामी डोर-विजय वर्मा

(एजेन्सी)। बॉलीवुड एक्टर विजय वर्मा ने पहली बार अपने मेंटल हेल्थ के बारे में खुलकर बात की है। एक्टर ने रिया चक्रवर्ती के साथ उनके पॉडकास्ट में बातचीत की है, जहां विजय ने बताया कि उन्हें गंभीर डिप्रेशन और चिंता का सामना करना पड़ा था और उन्होंने इससे उबरने के लिए योग और थेरेपी का सहारा लिया। पॉडकास्ट में विजय ने बताया, "मैं मुंबई में एक अपार्टमेंट में बिल्कुल अकेला था। खुशकिस्मती से मेरे पास एक छोटी सी छत थी-मैं आसमान देख सकता था, प्राकृतिक तत्वों के साथ रह सकता था। वरना, मैं पागल हो जाता। दरअसल, मैं पागल हो गया था। मेरे साथ जो हुआ, वो ठहराव, काम के पीछे लगातार भागना, इसका नतीजा ये होता है कि आप बहुत अकेले हो जाते हैं। मुझे बहुत अकेलापन महसूस हुआ, बहुत डर लगा और मैं सोच रहा था कि मैं चार दिनों से अपने सोफे से क्यों नहीं हिल पा रहा हूं? क्या हो रहा है?" एक्टर ने आगे बताया कि कैसे आमिर खान की बेटी इरा खान ने उस समय उनकी मदद की। विजय ने कहा, "उस समय, इरा और गुलशन (देवैया) मेरे लिए एक छोटे से सपोर्ट सिस्टम की तरह थे। इरा 'दहाड़' में असिस्ट कर रही थीं और शूटिंग के दौरान हम सब अच्छे दोस्त बन गए थे। हम जूम पर एक-दूसरे को वीडियो कॉल करते, डिनर करते-बस यही हमारा सर्कल था। लेकिन मेरी हालत बिगड़ती जा रही थी।

भारत ने ऑस्ट्रेलिया को 2-1 से हराई टी-20 सीरीज, आखिरी मैच बारिश के कारण रद्द

(एजेन्सी)। **भारत** और ऑस्ट्रेलिया के बीच खेली गई पांच मैचों की टी-20 सीरीज 2-1 से भारत के नाम रही हैं। आखिरी मुकाबला ब्रिसबेन के गाबा मैदान में बारिश के कारण रद्द कर दिया गया, जिसके बाद टीम इंडिया ने यह सीरीज अपने नाम की हैं। बता दें कि यह मुकाबला पूरी तरह बिक चुका था, लेकिन छह ओवर पूरे न होने के कारण दर्शकों को पूरे पैसे वापस किए जाएंगे। जानकारी के अनुसार, भारत ने टॉस जीतकर पहले बल्लेबाजी करते हुए शानदार शुरूआत की थी। शुभमन गिल और अभिषेक शर्मा ने पहले 4.5 ओवर में बिना विकेट खोए 52 रन जोड़ दिए थे। इसी बीच मैदान के आसपास बिजली गिरने और फिर तेज बारिश ने खेल रोक दिया, जिसके बाद मैच दोबारा शुरू नहीं हो सका हैं।

गौरतलब है कि अभिषेक शर्मा ने इस सीरीज में शानदार प्रदर्शन किया और कुल 163 रन बनाए हैं। उन्होंने मैच के बाद कहा, मैं इस टूर्नामेंट का बेसब्री से इंतजार कर रहा था, हमारी योजना स्पष्ट थी और हमने उसे अच्छी तरह लागू किया। वहीं, ऑस्ट्रेलियाई कप्तान मिचेल मार्श ने कहा कि इतनी बारिश के व्यवधानों के बावजूद सीरीज बेहतरीन रही। उन्होंने कहा, यह दो मजबूत टीमों के बीच शानदार मुकाबला था। भारत ने जब जरूरत पड़ी तब बेहतर प्रदर्शन किया, इसलिए उन्हें बधाई।

मैच के दौरान शुभमन गिल बेहतरीन लय में नजर आए और सिर्फ 13 गेंदों पर 29 रन बनाए। वहीं, अभिषेक शर्मा ने भी 13 गेंदों में 23 रन ठोके। हालांकि, ऑस्ट्रेलियाई फील्डरों ने कई मौके गंवाए। ग्लेन मैक्सवेल और बेन ड्वार्शुइस दोनों ने अभिषेक के कैच छोड़ दिए, जिसका भारत को पूरा फायदा मिला हैं। मौजूद जानकारी के अनुसार, यह सीरीज दोनों टीमों के लिए टी-20 विश्व कप से पहले एक अहम अभ्यास साबित हुई हैं। ऑस्ट्रेलिया ने अपनी टीम संयोजन में बदलाव किए, जबकि भारत ने अपने स्पिन अटैक पर भरोसा जताया। बता दें कि चौथे मैच में भारत ने तीन स्पिनरों के साथ ऑस्ट्रेलिया को कड़े संघर्ष में हराया था। ऑस्ट्रेलिया की ओर से नाथन एलिस सबसे सफल गेंदबाज रहे, जिन्होंने सीरीज में 9 विकेट लेकर अपनी काबिलियत साबित की हैं।

दिनेश दत्त झा आधुनिक हिन्दी पत्रकारिता के जनक थे

■ भारतीय पत्रकारिता के अग्रदूत थे दिनेश दत्त झा

संजना भारती संवाददाता

वाराणसी। मैथिल समाज, उत्तर प्रदेश और नेशनल जर्नलिस्ट एसोसिएशन के संयुक्त तत्वावधान में काशी पत्रकार संघ के संस्थापक अध्यक्ष सम्पादकाचार्य, पं० दिनेश दत्त झा स्मृति सह सम्मान समारोह वरिष्ठ पत्रकार डा अत्रि भारद्वाज की अध्यक्षता में पराड़कर भवन में सम्पन्न।

समारोह का शुभारम्भ मुख्य अतिथि वरिष्ठ पत्रकार सौरभ चक्रवर्ती और आगत अतिथियों द्वारा द्वारा पं० दिनेश दत्त झा के चित्र पर माल्यार्पण व दीप प्रज्जवलित कर किया गया। तत्पश्चात मैथिल समाज, उत्तर प्रदेश के प्रदेश अध्यक्ष निरसन कुमार झा, एडवोकेट द्वारा मुख्य अतिथि वरिष्ठ पत्रकार सौरभ चक्रवर्ती को सम्पादकाचार्य पं दिनेश दत्त झा पत्रकारिता गौरव सम्मान मिथिला संस्कृति के प्रतीक पाग, दुपट्टा और माला और पं० दिनेश दत्त झा का चित्र देकर सम्मानित किया गया।

समारोह में पत्रकारिता के क्षेत्र में उल्लेखनीय कार्य करने वालों पत्रकारों को सम्पादकाचार्य पं दिनेश दत्त झा सजग प्रहरी सम्मान क्रमशः वाराणसी प्रेस क्लब के अध्यक्ष चन्दन रूपानी, पीटीआई के नवीन पाण्डेय, आईनेक्स्ट के विकास सिंह, हिन्दुस्तान के फोटो जर्नलिस्ट अमन मंसूर आलम, अमर उजाला के अभिषेक मिश्र, डेन काशी न्यूज के सुजीत पटेल, आईएएनएस के अनुज सिंह, दैनिक जागरण के राजेन्द्र श्रीवास्तव, के टीवी के प्रबंध निदेशक पंकज सिंह डबलू को प्रदान किया गया।

मुख्य अतिथि पद से बोलते हुए वरिष्ठ पत्रकार सौरभ चक्रवर्ती ने कहा कि स्व० पं० दिनेश दत्त झा उदार, निर्भीक व स्वाभिमानी पत्रकार थे, वे अपने सिद्धान्तों से कभी समझौता नहीं करते थे। सिद्धान्तों से समझौता न करने के कारण स्व० झा को जीवन पर्यन्त संघर्ष करना पड़ा, इसी का परिणाम रहा कि स्व० झा रेलवे की नौकरी छोड़कर कलकत्ता चले गये और 'समाचार' नामक दैनिक समाचार पत्र में काम करने लगे, लेकिन कालान्तर में उन्होंने सिद्धान्तों से समझौता न कर 'समाचार' को भी छोड़कर स्वयं की पत्रिका 'शान्ति' का प्रकाशन किया। स्व० झा का जीवन संघर्षों से भरा रहा। भारतीय पत्रकारिता के सूर्य थे दिनेश दत्त झा ऐसे युग प्रवर्तक, कलम के सिपाही के जीवन से सीख लेने की जरूरत वर्तमान दौर के पत्रकारों को है।

- ■ पं दिनेश दत्त झा स्मृति समारोह में सम्पादकाचार्य और सजग प्रहरी सम्मान से सम्मानित हुए पत्रकार
- ■ समाचार को सरल, स्पष्ट और तार्किक तरीके से प्रस्तुत करते थे दिनेश दत्त
- ■ भारतीय पत्रकारिता के सूर्य थे दिनेश दत्त झा
- ■ समाचार पत्रों में भाषा की शुद्धता के प्रबल समर्थक थे दिनेश दत्त
- ■ निर्भीक और स्वाभिमानी पत्रकार थे दिनेश दत्त झा

मुख्य वक्ता पद से बोलते हुए बनारस बार के अध्यक्ष सतीश तिवारी ने कहा कि स्व० पं० दिनेश दत्त झा भाषा की शुद्धता के प्रबल समर्थक थे। संस्कृतनिष्ठ हिन्दी व व्याकरण के बहुत बड़े कायल झा जी छोटी से छोटी भूल पर आगबबूला हो जाते थे। प्रूफ संशोधन में मामूली त्रुटि भी उनको बहुत खटकती थी। वह भाषा में हिन्दुस्तानी भाषा के प्रबल विरोधी थे। उन्होंन 'आर्यवर्त' के माध्यम से हिन्दुस्तानी भाषा का ऐसा विरोध किया कि बिहार सरकार को अन्ततः अपनी भाषा नीति का परित्याग करना पड़ा था। वर्तनी, भाषा, व्याकरण और हिन्दी की प्रकृति के रक्षा के लिये हमेशा क्रियाशील रहते थे। अन्वेषण-बुद्धि होने के कारण हिन्दी पत्रकारिता को नयी दिशा देने में अभिरूचि रखते थे। अंग्रेजी से हिन्दी अनुवाद में भाषा की तरलता पर उनकी पैनी दृष्टि रहती थी। प्रायः कहा करते थे कि हिन्दी की प्रकृति अंग्रेजी से भिन्न है। इसलिये प्रकृति की रक्षा होनी चाहिये।

विशिष्ट अतिथि नेशनल जर्नलिस्ट एसोसिएशन के राष्ट्रीय अध्यक्ष राकेश कुमार गुप्ता ने कहा कि जेम्स आगस्टस हिकी को जहां भारतीय पत्रकारिता का जनक कहा जाता है वहीं पं दिनेश दत्त झा आधुनिक भारतीय पत्रकारिता के जनक हैं झा जी के पत्रकारिता में नवीनता, निकटता, प्रमुखता,प्रभाव, संघर्ष और विशिष्टता जैसे तत्व शामिल थे इसके अलावा समाचार को सरल, स्पष्ट और तार्किक तरीके से प्रस्तुत करते थे।

समारोह की अध्यक्षता करते हुए वरिष्ठ पत्रकार डा अत्रि भारद्वाज ने कहा कि झा जी अद्भुत प्रतिभा के धनी थे। प्राथमिक विद्यालय की परीक्षा से लेकर अन्त तक वे प्रथम आते रहे। प्रधानाध्यापक की नौकरी छोड़कर सन 1940 ई. में दैनिक 'आज' के सम्पादकीय विभाग में कभी रिपोर्टर, तो कभी डाक सम्पादक और प्रबन्ध सम्पादक के रूप में कार्य किया। झा जी विभिन्न पत्र-पत्रिकाओं में लेखन का भी कार्य किया करते थे। झा जी विद्वानों का खूब समादर करते थे। इस कारण इनके आवास पर साहित्यकारों,पत्रकारों का पत्रकारिता में वर्तनी, भाषा, व्याकरण और हिन्दी की प्रकृति के रक्षक थे दिनेश दत्त झा।

दिनेश दत्त के व्यक्तित्व और कृत्तित्व से प्रभावित होकर तत्कालीन प्रधानमंत्री पं० जवाहर लाल नेहरू अपनी पत्री कमला नेहरू के साथ रजाकर रसिक मण्डल की बैठक में झा जी के आवास पर इनसे मिलने उपस्थित हुए थे। आधुनिक पत्रकारिता के जनक थे दिनेश दत्त झा ऐसे महान व्यक्तित्व के धनी झा जी के जीवन से सीख लेने की जरूरत है वर्तमान दौर के युवा पत्रकारों को।

समारोह का संचालन व संयोजन एडवोकेट गौतम कुमार झा ने किया। स्वागत संस्था के अध्यक्ष एडवोकेट निरसन कुमार झा तथा धन्यवाद ज्ञापन नन्द कुमार सिंह और विषय स्थापना मनोज मिश्र ने किया। समारोह में मुख्य रूप से नन्द कुमार सिंह, शिवेन्द्र पाठक, नटवर झा, बृजेश पाण्डेय, राजेन्द्र त्रिवेदी, प्रेम प्रकाश गौतम, एनजेए के दीनबंधु सिंह, निरंजन कुमार, राघवेन्द्र दूबे आदि लोग उपस्थित थे।

बालिका शिक्षा को नई उड़ान-इंद्री में 'जेनिसिस इंटरनेशनल स्कूल (केवल बालिकाओं के लिए)' का शुभारंभ

■ गीता मनीषी स्वामी ज्ञानानंद जी महाराज बोले-शिक्षित बेटी ही समाज की सबसे बड़ी ताकत

एसबी विशेष संवाददाता/मदन पुरी

करनाल। इंद्री के गोरगढ़ गांव में बालिका शिक्षा को समर्पित जेनिसिस इंटरनेशनल स्कूल (केवल बालिकाओं के लिए) का भव्य उद्घाटन शनिवार को गीता मनीषी परमपूज्य स्वामी श्री ज्ञानानंद जी महाराज के कर-कमलों से संपन्न हुआ। यह संस्थान ग्रामीण एवं अर्ध-शहरी क्षेत्रों की बेटियों को आधुनिक, मूल्य-आधारित और प्रतियोगी शिक्षा प्रदान करने के उद्देश्य से स्थापित किया गया है। कार्यक्रम का आरंभ छात्राओं द्वारा वैदिक मंत्रोच्चार, तिलक व पुष्प अर्पण के साथ हुआ। जेनिसिस समूह के विभिन्न विद्यालयों की छात्राओं ने गीता श्लोकों का सामूहिक उच्चारण कर वातावरण को आध्यात्मिक ऊर्जा से भर दिया।

अपने आशीर्वचन में स्वामी ज्ञानानंद जी महाराज ने कहा कि गीता का एक श्लोक भी यदि जीवन में आत्मसात कर लिया जाए तो जीवन के कष्ट दूर हो जाते हैं। उन्होंने कहा कि समाज में बालिकाओं का शिक्षित होना अत्यंत आवश्यक है, क्योंकि एक शिक्षित बेटी पूरे परिवार और समाज को दिशा देती है।

संस्थान के मैनेजिंग डायरेक्टर जितेंद्र सिंह ने बताया कि विद्यालय में कक्षा 6वीं से बोर्ड शिक्षा के साथ-साथ नीट, जेईई और एनडीए जैसी प्रतियोगी परीक्षाओं की तैयारी भी कराई जाएगी। उन्होंने घोषणा की कि आर्थिक रूप से कमजोर परिवारों की 9वीं और 11वीं कक्षा की प्रथम 10-10 छात्राओं को निःशुल्क शिक्षा दी जाएगी तथा इंद्री क्षेत्र के प्रत्येक गांव से एक छात्रा को मुफ्त शिक्षा का अवसर मिलेगा।

इस अवसर पर करनाल विधायक जगमोहन आनंद, इंद्री विधायक रामकुमार कश्यप, विभाग संघ चालक सुधीर जी, चेयरमैन कर्नल अरुण दत्ता व अनेक गणमान्य व्यक्ति उपस्थित रहे। कार्यक्रम के समापन पर प्रधानाचार्य अंकिता शर्मा व प्रशासक आत्मा राम भारद्वाज ने सभी अतिथियों का आभार व्यक्त किया।

श्रद्धा पूर्वक मनाया गया स्व. उषा वर्मा तथा स्व. धूपेन्द्र प्रसाद का आठवां स्मृति दिवस, साहित्सेवियों ने दी रचनाओं से भावनात्मक श्रद्धांजलि

संजना भारती संवाददाता

हाजीपुर। स्वर्गीय उषा वर्मा तथा स्व. धूपेन्द्र प्रसाद का आठवां स्मृति दिवस शनिवार को स्थानीय प्रचीन मोहल्ला गांधी आश्रम स्थित उषा-धूपेन्द्र स्मृति सदन में श्रद्धा पूर्वक मनाया गया। इस अवसर पर साहित्यसेवियों ने उन्हें भावपूर्ण श्रद्धांजलि अर्पित करते हुए बताया कि अपने पितरों को याद करना और उनके व्यक्तित्व तथा कृतित्व पर चर्चा करना वर्तमान पीढ़ी के लिए तथा समाज के लिए शुभ संकेत हैं।

कार्यक्रम के आरंभ में मोहल्ला वासी तथा साहित्य सेवियों ने स्वर्गीय उषा वर्मा तथा स्वर्गीय धूपेन्द्र प्रसाद के चित्र पर पुष्पांजलि अर्पित की। इसके बाद डॉ. संजय 'विजित्वर' ने उनके व्यक्तित्व तथा कृतित्व पर संक्षिप्त चर्चा करते हुए बताया कि स्वर्गीय उषा वर्मा एक निडर और व्यवहार कुशल महिला थी। सामाजिक गतिविधियों में बढ़-चढ़ कर हिस्सा लेती थी। आज भी उनकी नेकदिली की चर्चा गांधी आश्रम मोहल्ला के प्राचीन निवासी करते रहते हैं और स्वर्गीय धूपेन्द्र प्रसाद एक मितभाषी और ईमानदार व्यक्तित्व थे जिनकी चर्चा मोहल्लावासी, सगे-संबंधी तथा शिक्षा विभाग के कई कर्मी उन्हें याद करते हुए करते हैं। गांधी आश्रम मोहल्ला के प्राचीन निवासी डॉ० विजय कुमार ने बताया कि स्वर्गीय उषा वर्मा समाज में काफी मिलनसार थी और सबके सुख-दुख में बिना संकोच किए अपनत्व का भाव दशार्ती थी अर्थात सहयोगात्मक प्रवृत्ति की साहसी नारी थी जो कम देखने को मिलता है और स्वर्गीय धूपेन्द्र प्रसाद की ईमानदारी की चर्चा आज तक समाज में होती है। इसके बाद वरिष्ठ कवि आशुतोष सिंह ने बताया कि पितरों को याद करने से और उनके प्रति श्रद्धा भाव रखने से आशीर्वाद मिलता है तथा संतान तरक्की करता है।

श्री सिंह ने जीवन की सच्चाई को दर्शाती मार्मिक गेय रचना- लेके जाना तो कुछ भी यहां से नहीं, मोह, माया, आशक्ति, अभिमान बांध ले-सुनाई जिसपर खूब वाहवाही हुई।इसके बाद वरिष्ठ कवि मणिभूषण प्रसाद सिंह अकेला ने कहा कि इस तरह का कार्यक्रम समाज के लिए संदेशात्मक है और माता-पिता पर केंद्रित रचना-'माता प्रथम गुरु, पिता वन पथ-दर्शक,वही तो हैं मेरे भगवान-सुनाकर आत्ममुग्ध कर दिया। वरिष्ठ कवि शंभु शरण मिश्र ने मुक्त छंद की मार्मिक रचना-नहीं आई थी लाज हरिश्चन्द्र को मांगते हुए कफन का चिथरा'-सुनाकर भावविभोर कर दिया। वरिष्ठ कवि डॉ शिव बालक राय प्रभाकर ने कहा कि स्वर्गीय धूपेन्द्र प्रसाद जी वास्तव में एक विनम्र और ईमानदार व्यक्ति थे। उन्होंने मुक्त रचना-धरा का सबकुछ धरा पर धरा ही रह जाता-सुनाई जिसकी खूब सराहना हुई। बालक युगांत युग ने बंदे मातरम का आवृत्ति पाठ किया।

डॉ संजय 'विजित्वर' ने 'पाला' शब्द के विभिन्न अर्थों पर केंद्रित चार पंक्तियां-मार दिया पाला सुनाकर सबको खूब हंसाया। वरिष्ठ कवि रवीन्द्र कुमार रतन ने स्वर्गीय उषा वर्मा तथा स्व धूपेन्द्र प्रसाद की संघर्षशील जीवन की चर्चा की और उनपर समर्पित चार पंक्तियां-युग युगांतर तक रहेगी तेरी साधना का स्मरण, माता पिता आपके इंसान नहीं भगवान थे-और बज्जिका रचना-आवऽ मिल के दीया जलावऽ सुनाई जिसपर खूब वाहवाही हुई। अंत में सुशांत शेखर ने सभी साहित्यसेवियों के प्रति आभार व्यक्त किया।

गायत्री शक्तिपीठ टाबर पंचकूला में 24 कुंडिया गायत्री महायज्ञ शुरू

एसबी ब्यूरो प्रमुख/विजेश कुमार

पंचकूला। श्री वेद माता गायत्री शक्ति पीठ टाबर, पंचकूला में 9वें मूर्ति स्थापना दिवस पर अखिल विश्व गायत्री परिवार शांति कुंज हरिद्वार के तत्वाधान में 24 कुण्डीय राष्ट्र शौर्य समृद्धि गायत्री महायज्ञ एवं प्रज्ञापुराण कथा का शुभारंभ द्वितीय दिवस के उपलक्ष्य मे गृहस्थ जीवन टावर गायत्री शक्तिपीठ मैं श्रीमद् भागवत प्रज्ञा पुराण की कथा और 24 कुंडीय गायत्री महायज्ञ जिला गायत्री परिवार ट्रस्ट मुख्य ट्रस्टी श्री सुरेन्दर सिंह तोमर की देख रेख मे किया गया और 56 सामूहिक दीक्षा हुई। जिसमें मुख्य अतिथि के रूप में और शांतिकुंज हरिद्वार से आए संतों की टोली का स्वागत फूल माला और हार से किया।

भारतीय संस्कृति में ऋषि परंपरा और संस्कारों के महत्व एवं वर्तमान युवा पीढ़ी को सही दिशा देने के लिए भारत को पुनः गौरवशाली राष्ट्र बनाने के उद्देश्य से 4 दिवसीय प्रवास पर शांतिकुंज हरिद्वार से आए टोली नायक सूरत सिंह अमृते जी ने कहा कि संस्कार हमारे जीवन का मार्ग प्रशस्त करते हैं समाज में सम्मान से जीने का हक दिलाते हैं। व्यक्ति जैसा व्यवहार करता है वैसा ही उसके संस्कारों का प्रदर्शन होता है संस्कारों में ईमानदारी त्याग अनुशासन साहस परिश्रम आदि गुणों का समायोजन होता है।

सुख की चाह में व्यक्ति आज सर्वत्र भटक रहा है सुख से बढ़कर है आनंद की प्राप्ति, सच्चा आनंद भक्ति और सत्संग में मिलता है इसके अलावा और कहीं नहीं. इस दौरान टोली ने भारतीय संस्कृति को गौरवशाली बनाने के लिए युवाओं महिलाओं व पुरुषों से समयदान देने का आह्वान कर नकारात्मक सोच दूर करने व राष्ट्र समाज के लिए कार्य करने हेतु शपथ दिलाकर नियमित ध्यान साधना करने का संकल्प दिलाया। शान्ति कुंज शताब्दी वर्ष के अंतर्गत टोली नायक कथा व्यास श्री सूरत सिंह अमृते जी के द्वारा मार्ग दरशनकिया जिसमें संगीत की टीम में श्री सोमवार साहे जी तथा नीरज जी एवं मनीष साहु भाई एवं बनबारी नैनी जी सम्मिलित थे।

अखिल विश्व गायत्री परिवार, टावर के भाइयों बहनों उनके सहयोगियों ने हरिद्वार से आए हुए दल के सदस्यों का स्वागत किया कार्यक्रम से पूरे पंचकूला का वातावरण धर्ममय बन गया।

पीएमसीएच में जिंदगी की लड़ाई लड़ रहे हैं पूर्व भाजपा नेता

एसबी ब्यूरो

बेगूसराय। जिले में भाजपा को मजबूत आधार देने वाले भाजपा के पूर्व प्रदेश मंत्री और पूर्व जिलाध्यक्ष रामलखन सिंह पीएमसीएच में जिंदगी की लड़ाई लड़ रहे हैं और स्वास्थ्य की स्थिति बहुत ही नाजुक है। उनके चिकित्सा और बेल के लिए उनके परिवारजन, सहयोगी तथा समर्थक अथक प्रयास भी कर रहे हैं और भाजपा के समर्पित कार्यकताओं बहुत ही चिंतित और दुखित भी हैं। बड़े नेताओं की प्राथमिकता में नेताजी नहीं हैं और यह आवश्यक ही है, क्योंकि नेताजी नोट और वोट के साधन नहीं रह गए हैं। ईश्वर ना करें अगर नेताजी का बेल कुछ दिनों में बेल नहीं होता है। तो संभव है पीएमसीएच के कैदी वार्ड से कुछ अप्रिय सूचना प्राप्त हो सकती है। वह अप्रिय सूचना बेगूसराय और बिहार में भाजपा के समर्पित कार्यकर्ताओं के लिए बहुत ही दुखद, सीख देने वाली और पार्टी के प्रति उनके निष्ठा और समर्पण को बहुत बड़ा के धक्का पहुंचाने वाली होगी। आज भी नेताजी को अपने लिए चुनौती मानने वाले नेताओं के लिए जरूर सुखद और संतोष प्रद होगा। ईश्वर से भाजपा युवा मोर्चा के पूर्व जिला अध्यक्ष राममूर्ति चौधरी ने प्रार्थना कि नेताजी जल्द ठीक हो जाएं।

बेनीपुरी साहित्य सम्मान से नवाजे जाएंगे कवि

एसबी ब्यूरो

बरौनी(बेगूसराय)। 30 नवंबर को साहित्य के क्षेत्रों में उल्लेखनीय योगदान देने वाले साहित्यकारों को कलम के जादूगर रामवृक्ष बेनीपुरी साहित्य सम्मान,मोमेंटो, अंगवस्त्र आदि देकर मुजफ्फरपुर की पावन धरा पर सम्मानित किया जाएगा।उक्त बातें की जानकारी काव्य हिन्दुस्तान अंतर्राष्ट्रीय साहित्य समूह लीचीपुरम मुजफ्फरपुर की संस्थापक सह अध्यक्ष रेखा शर्मा स्नेहा ने दी। उनहोंने कहा कि यह संस्था के द्वारा आयोजित 9वां कार्यक्रम होगा। कार्यक्रम में उपस्थिति हेतु 8809523091 नंबर पर शीघ्र संपर्क करें।

आवश्यक सूचना

तेजी से बढते राष्ट्रीय हिंदी दैनिक समाचार पत्र, **'संजना भारती'** को चंडीगढ़, पंचकुला सहित पूरा हरियाणा, पंजाब में जिला स्तर, तहसील स्तर, खंड स्तर पर पत्रकार/कोर्सपोंडेट/ प्रतिनिधि, जिला प्रभारी की जरूरत है।

संपर्क करें: दैनिक संजना भारती, समाचार पत्र नई दिल्ली
वाटसेप नम्बर: 9871221635

बदायूं में सालाना उर्से कादरी के दूसरे दिन बड़ी तादाद में पहुंचे अकीदतमंद

संजना भारती ब्यूरो चीफ इंतजार हुसैन

बदायूं। विश्व प्रसिद्ध दरगाह आलिया कादरिया पर हुजूर शाह ऐनुलहक हजरत अब्दुल मजीद कादरी बदायूंनी रहमतुल्लाह अलैह का तीन दिवसीय सालाना उर्स शरीफ खानकाह के साहिबे सज्जादा काजी ए जिला हजरत अब्दुल गनी मोहम्मद अतीफ मियां कादरी की सरपरस्ती में बड़े ही अदबों एहतिराम व शानो शौकत के साथ मनाया जा रहा है। रविवार को उर्से कादरी के दूसरे दिन बड़ी तादाद में पहुंचे अकीदतमंद, दरगाह परिसर में सुबह सजी महफिल दुपहर को तबरुर्कात शरीफ की कराई गई ज्यारत। और बाद नमाजे असर हल्का ए जिक्र हुआ जिसमे बड़ी संख्या अकीदतमंदो ने हिस्सा लिया। तीसरी महफिल का आगाज कारी फरमान कादरी ने तिलावते कुरान मजीद से किया। साहिबे सज्जादा काजी ए जिला हजरत अब्दुल गनी मोहम्मद अतीफ मियां कादरी ने पहले अपना कलाम पेश किया, उसके बाद अपनी इल्मी तकरीर से लोगों के दिलों को रोशन किया। साथ ही साहिबे उर्स की जिन्दगी पर रौशनी डाली।

उसके बाद नाजिमे उर्स हजरत अब्दुल कय्यूम कादरी, हाफिज गुलाम अतीफ कादरी, हाफिज असद मुईन कादरी, अब्दुल हन्नान कादरी, अनीस पटेल कादरी ने नात शरीफ के कलाम पेश किये। महफिल में शहजादा-ए-ताजदारे अहले सुन्नत हजरत अल्लामा मौलना अज्जाम मियां कादरी, अहमद मुजतबा सिद्दीकी सहित उलमा आदि मौजूद रहे। इसके साथ ही मौलना अब्दुल कदीर कादरी मजीदी ने आलिमाना तकरीर पेश की साहिबे उर्स की जिन्दगी पर रौशनी डालते हुए उन्होंने कहा खानकाहे कादरिया में इश्के रसूल के जाम भर भर कर पिलाये जाते है।

बड़ी कादरी मजीदी कॉन्फ्रेंस जिसमें खानकाहों के सज्जादानशीन व उलमाओं की उपस्थिति रहेगी। उर्स दस नवंबर सोमवार को बाद नमाजे फज्र कुल शरीफ की फातिहा के साथ उर्स की महफिल का समापन होगा। उर्स में देश भर से जायरीनों का आने सिलसिला जारी है आने वाले अकीदतमंद जायरीनों के लिए लगातार खानकाह की ओर से खाने पीने व ठहरने समेत अन्य व्यवस्थाओं के विशेष इंतजाम इंतजाम शहजादा-ए-ताजदारे अहले सुन्नत हजरत अज्जाम मियां कादरी की देखरेख में किए गए है।

उर्से कादरी के मौके पर दरगाह के मैन गेट पर ही ताजुल फहुल एकेडमी की तरफ से दीनी इल्मी किताबों का स्टॉल भी लगाया गया है। जिसमें सभी दीनी किताबें व इस्लामिक कैलेंडर उपलब्ध है।

युवा साहित्यकार मिन्टू कुमार ने अपने पैतृक गांव में किया मतदान.

मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी ने पलवल पहुंचकर खेल राज्य मंत्री गौरव गौतम के दादा के निधन पर जताया शोक

संजना भारती/विज्ञप्ति द्वारा

चंडीगढ़। हरियाणा के मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी रविवार देर सांय पलवल पहुंचे, जहां उन्होंने हरियाणा सरकार के खेल राज्य मंत्री गौरव गौतम के आवास पर पहुंचकर उनके दादा स्वर्गीय जयपाल गौतम के चित्र पर पुष्पांजलि अर्पित कर श्रद्धांजलि दी और उनके निधन पर गहरी संवेदनाएं व्यक्त की।

मुख्यमंत्री ने शोक संतप्त परिवार के सदस्यों से मुलाकात कर उन्हें सांत्वना दी और ईश्वर से दिवंगत आत्मा की शांति तथा परिवार को इस कठिन समय में धैर्य और संबल प्रदान करने की प्रार्थना की।

मीडिया द्वारा पूछे गए सवाल के जवाब में मुख्यमंत्री ने कहा कि राहुल गांधी फ्रस्ट्रेशन में है और उनके पास कोई मुद्दा भी नहीं है। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी और श्री नीतीश कुमार के नेतृत्व में बिहार में विकास कार्य हुए हैं और गरीब व्यक्ति तक लाभ पहुंचा है मुझे खुशी है बिहार के अंदर 70 लाख किसानों के खाते में प्रधानमंत्री किसान सम्मान निधि के 6000 रुपए पहुंच रहे हैं।

बिहार में एक करोड़ लोगों को मकान बनाकर दिए हैं। 4 करोड़ से ज्यादा आयुष्मान कार्ड बने है 3 करोड़ से ज्यादा घरों में हर घर नल और स्वच्छ जल पहुंचा है। बिहार में सड़कों का जाल बिछाया है। उन्होंने कहा की 14 नवंबर को बिहार में सुशासन की सरकार बनने जा रही है।

'हिंद दी चादर मैराथन' को केंद्रीय मंत्री मनोहर लाल ने दिखाई हरी झंडी, 61 हजार युवाओं ने लिया भाग

■ गुरु तेग बहादुर की शहादत हमें देश व समाज के लिए काम करने की प्रेरणा देती है-मनोहर लाल

एसबी विशेष संवाददाता/मदन पुरी

करनाल। गुरु तेग बहादुर जी के 350वें शहीदी दिवस के उपलक्ष्य में रविवार सुबह करनाल में भव्य 'हिंद दी चादर मैराथन' का आयोजन किया गया, जिसे केंद्रीय आवासन, ऊर्जा एवं शहरी मामलों के मंत्री मनोहर लाल खट्टर ने एनडीआरआई चौक से हरी झंडी दिखाकर रवाना किया। इस अवसर पर करनाल सहित विभिन्न जिलों से पहुंचे 61 हजार युवाओं ने भाग लिया। कार्यक्रम का माहौल देशभक्ति, श्रद्धा और उत्साह से ओतप्रोत रहा।

मनोहर लाल ने कहा कि गुरु तेग बहादुर जी की शहादत से हमें यह सीख मिलती है कि हमें धर्म, समाज और देश के लिए निस्वार्थ भाव से कार्य करना चाहिए। उन्होंने बताया कि गुरु जी ने 1675 ईस्वी में कश्मीरी पंडितों के धर्म की रक्षा के लिए अपने प्राणों की आहुति दी थी। उनके साथ भाई मतिदास, भाई दयाला और भाई सतीदास ने भी अत्यंत कष्ट सहते हुए बलिदान दिया। केंद्रीय मंत्री ने बताया कि दिल्ली के चांदनी चौक स्थित गुरुद्वारा शीशगंज में गुरु जी का सिर अलग किया गया था, वहीं हरियाणा के सोनीपत जिले के बडखालसा गांव के एक युवक ने गुरु जी का शीश सुरक्षित आनंदपुर साहिब तक पहुंचाने के दौरान अपना शीश अर्पित कर दिया। उन्होंने कहा कि यह मैराथन सिर्फ एक दौड़ नहीं बल्कि स्वतंत्रता सेनानियों और बलिदानियों के प्रति श्रद्धांजलि का प्रतीक है।

मैराथन के दौरान युवाओं ने 'बोले सो निहाल, भारत माता की जय' के जयकारों से वातावरण गूंजा उठा। कार्यक्रम में 'हिंद की चादर, तेग बहादुर' गीत का विमोचन किया गया और शबद कीर्तन भी हुआ।

इस अवसर पर विधायक जगमोहन आनंद, इंद्री के विधायक रामकुमार कश्यप, असंध के विधायक योगेंद्र राणा, निलोखेड़ी के भगवानदास कबीरपंथी, उपायुक्त उत्तम सिंह, एसपी गंगाराम पूनिया, मेयर रेणु बाला गुप्ता, भाजपा जिला अध्यक्ष प्रवीण लाठर, सहित अनेक अधिकारी व गणमान्य व्यक्ति मौजूद रहे।

जिला विकास समन्वय एवं निगरानी समिति की बैठक आयोजित

■ केंद्रीय मंत्री मनोहर लाल ने की 11 विभागों की 22 महत्वपूर्ण योजनाओं की समीक्षा

एसबी विशेष संवाददाता/मदन पुरी

करनाल। केंद्रीय मंत्री मनोहर लाल ने लघु सचिवालय के सभागार में आज जिला विकास समन्वय एवं निगरानी समिति (दिशा) की बैठक की अध्यक्षता की। उन्होंने इस दौरान केंद्र सरकार द्वारा प्रायोजित योजनाओं व राज्य सरकार की जनकल्याणकारी योजनाओं के क्रियान्वयन में पारदर्शिता और तेजी लाने के निर्देश दिए। मंत्री ने बैठक में 11 विभागों की 22 महत्वपूर्ण योजनाओं की समीक्षा की और अधिकारियों को आवश्यक दिशा-निर्देश दिए कि योजनाओं का ज्यादा से ज्यादा लोगों को लाभ मिले तथा विकासात्मक परियोजना को जल्द धरातल पर लाया जाए।

बैठक में केंद्रीय मंत्री मनोहर लाल ने अधिकारियों से कहा कि वे अपने स्तर पर जिला से संबंधित विकासात्मक परियोजनाओं तथा जन कल्याणकारी योजनाओं का आवश्यकतानुसार प्लान तैयार करें, केवल लक्ष्य पूरा करने तक सीमित न रहें। उन्होंने प्रधानमंत्री शहरी व ग्रामीण आवास योजना के लिए ज्यादा से ज्यादा व्यक्तियों को आवेदन करने के लिए प्रेरित करें ताकि हर गरीब व जरूरतमंद व्यक्ति का मकान बनाने का सपना साकार हो सके। उन्होंने कृषि विभाग की आत्मा योजना की समीक्षा के दौरान कृषि विभाग के उपनिदेशक को निर्देश दिए कि वे किसानों को प्राकृतिक खेती करने के लिए प्रेरित करें और उन्हें प्रशिक्षण भी दिलवाएं ताकि किसान कम लागत में अच्छा मुनाफा अर्जित कर अपनी आय में वृद्धि कर सकें।

केंद्रीय मंत्री ने बैठक के बाद मीडिया से बातचीत करते हुए कहा कि पीएम मुद्रा योजना के तहत स्वरोजगार स्थापित करने के लिए लोन दिया जाता है। उन्होंने कहा कि ज्यादा से ज्यादा लोगों को योजना का लाभ मिले इसके लिए लोगों को आवेदन करने के लिए जागरूक करें। उन्होंने कहा कि यह योजना स्वरोजगार के लिए 50 लाख रुपये तक के ऋण पर 10 से 35 प्रतिशत तक सब्सिडी प्रदान करती है। बैंकों और पैक्स के माध्यम से आने वाली कठिनाइयों को दूर करने के लिए उचित कदम उठाने होंगे। उन्होंने कहा कि अगले 5 वर्षों में पीएम आवास योजना ग्रामीण एवं शहरी 3 करोड़ मकानों का राष्ट्रीय लक्ष्य घोषित किया गया है। देश भर में एक करोड़ शहरी व 2 करोड़ ग्रामीण क्षेत्रों में मकान बनाए जाएंगे। पोर्टल पर आवेदन मांगे गए हैं। योजना के तहत अधिक से अधिक आवेदन करवाए जाएं ताकि हर जरूरतमंद को अपना घर मिल सके।

मनोहर लाल ने कहा कि रोजगार की दृष्टि से वीटा बूथ योजना एक अच्छी योजना है इसका और सरलीकरण किया जाएगा ताकि ज्यादा से ज्यादा लोग आवेदन करके लाभ उठा सकें। उन्होंने कहा कि स्वनिधी योजना के तहत छोटे दुकानदारों (स्ट्रीट वेंडर्स) के लिए ऋण की राशि बढ़ाई गई है। इस योजना के तहत दिए जाने वाले ऋण को 10 हजार रुपये से बढ़ाकर 15 हजार रुपये और 20 हजार रुपये से बढ़ाकर 25 हजार रुपये किया गया है। 50 हजार रुपये के ऋण के साथ अतिरिक्त 30 हजार रुपये की राशि का क्रेडिट कार्ड दिया जा रहा है ताकि रिवोल्विंग फंड का इस्तेमाल बार - बार किया जा सके। ऐसी छोटी-छोटी स्कीमों का लाभ उठाने से समाज के गरीब लोगों के जीवन में एक बड़ा बदलाव आता है। उन्होंने कहा कि स्वयं सहायता समूहों के माध्यम से महिलाओं को ऋण उपलब्ध करवाया जाता है ताकि वे महिलाएं आत्मनिर्भर व स्वावलंबी बन सकें। उन्होंने कहा कि समूहों में शामिल महिलाओं के खराब सिबिल स्कोर को सुधारने के लिए उन्हें प्रेरित किया जाए, ताकि अगले वर्ष वे भी ऋण के लिए पात्र हो सकें। उन्होंने करनाल में आयोजित श्री गुरु तेग बहादुर जी के 350वें शहीदी दिवस मैराथन के सफल आयोजन पर खुशी व्यक्त करते हुए कहा कि आज इस मैराथन में 61 हजार लोगों ने भाग लिया है। यह मैराथन 21 किलोमीटर, 10 किलोमीटर और 5 किलोमीटर की तीन श्रेणियों में आयोजित की गई थी और सभी प्रतिभागियों को प्रोत्साहन के लिए प्रमाण पत्र दिए जाएंगे।

केंद्रीय मंत्री ने बताया कि श्री गुरु तेग बहादुर जी के 350वें शहीद दिवस के उपलक्ष्य में प्रदेश भर में विभिन्न कार्यक्रम आयोजित किए जा रहे हैं। इनमें करनाल का मैराथन कार्यक्रम है जो कि एक सफल व रिकॉर्डतोड़ कार्यक्रम रहा। इसी कड़ी में 25 नवंबर को कुरुक्षेत्र में आयोजित होने वाले श्री गुरु तेग बहादुर जी के 350वें शहीदी दिवस कार्यक्रम में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी शामिल होंगे।

बैठक में उपायुक्त उत्तम सिंह ने करनाल के सांसद व केंद्रीय मंत्री मनोहर लाल तथा अन्य जनप्रतिनिधियों का स्वागत किया और बैठक के एजेंडे में रखी गई विभिन्न विभागों की स्कीमों के बारे में अवगत करवाया। उन्होंने अधिकारियों को निर्देश दिए कि वे केंद्रीय मंत्री मनोहर लाल के दिशा-निर्देशों की दृढ़ता से पालना करें और अपने-अपने विभाग से संबंधित योजनाओं के क्रियान्वयन में तेजी लाएं।

स्पेशल अभियान चलाकर कैथल पुलिस द्वारा विभिन्न मामलों में 27 आरोपी काबू

एसबी संवाददाता

कैथल। पुलिस प्रवक्ता ने जानकारी देते हुए बताया की जिला पुलिस द्वारा रविवार को एसपी उपासना के आदेशानुसार अपराधियों के खिलाफ एक स्पेशल अभियान चलाया गया। जिसके तहत जिला पुलिस ने एसपी उपासना के कुशल नेतृत्व एवं मार्गदर्शन में अथक प्रयास करते हुए विभिन्न स्थानों पर छापेमारी करते हुए आपराधिक मामलों में संलिप्त रहे 27 आरोपियों को धर दबोचने में सफलता हासिल की है।

एसपी कैथल उपासना।

पुलिस प्रवक्ता ने बताया कि विशेष अभियान में सभी अपराध जांच शाखा एवं थाना व चौकी स्तर विभिन्न पुलिस टीमों द्वारा कई जगह रेड की गई। जिनमें आबकारी अधिनियम के 10 मामलों में 10 आरोपी काबू करके अवैध शराब बरामद की गई। जुआ सट्टा का धंधा करने वाले अपराधियों पर कार्रवाई करते हुए 2 मामलो में 2 आरोपियों को काबू किया गया। इसके अतिरिक्त 4 भगोड़े आरोपियो व 4 अरेस्ट वारंट वालो को भी काबू किया गया। मारपीट के मामलो में 3, चोरी में 2 तथा एक्सीडेंट के मामले में 1 आरोपी को काबू किया गया। इसके अलावा एक नशा तस्कर को भी काबू किया गया है। इस मौके पर एसपी उपासना ने कहा कि पुलिस का नारा सेवा सुरक्षा सहयोग है जो पुलिस आमजन की जान माल की सुरक्षा को बरकरार रखते हुए अलग अलग तरह के अभियान चला कर अपराध व अपराधियों पर शिकंजा कसते हुए सेवा सुरक्षा सहयोग के नारे को सार्थक कर रही है।

एसपी ने आमजन से भी किसी भी प्रकार की आपराधिक सूचना व शरारती तत्व बारे सूचना देने बारे अपील की है। एसपी ने सख्त लहजे में कहा कि अपराधियों से सख्ती से निपटा जाएगा और जिले में अपराध बिल्कुल भी पनपने नहीं दिया जाएगा।

होम गार्ड प्रशिक्षणार्थियों के लिए आपातकालीन प्रतिक्रिया विषयक व्यावहारिक प्रशिक्षण आयोजित

एसबी ब्यूरो प्रमुख/विजेश कुमार

पंचकूला। पंचकूला में आपातकाली प्रतिक्रिया विषयक व्यावहारिक प्रशिक्षण आयोजित किया गया। इसमें पंचकूला में होमगार्ड प्रशिक्षणार्थियों के लिए डॉ. मोहित शर्मा, अतिरिक्त वरिष्ठ चिकित्सा अधिकारी द्वारा होम गार्ड प्रशिक्षण केंद्र, होम गार्ड डिवीजन, पंचकूला में होम गार्ड प्रशिक्षणार्थियों के लिए एक व्यापक व्यावहारिक प्रशिक्षण सत्र आयोजित किया गया। प्रशिक्षण के दौरान प्रशिक्षणार्थियों को विभिन्न महत्वपूर्ण प्राथमिक उपचार एवं आपातकालीन प्रबंधन विषयों पर प्रशिक्षित किया गया। इनमें सामूहिक दुर्घटना की स्थिति में ट्रायेज अवधारणा, एस्फिक्सिया, कृत्रिम श्वसन विधियाँ, सीपीआर, शॉक एवं बेहोशी की स्थिति का प्रबंधन, घाव एवं रक्तस्राव नियंत्रण, फ्रैक्चर एवं प्राथमिक उपचार विधियाँ, स्ट्रोक एवं हार्ट अटैक की पहचान, तथा जलने एवं झुलसने की स्थिति में प्रारंभिक उपचार शामिल थे। इस प्रशिक्षण कार्यक्रम का सफलतापूर्वक आयोजन कंपनी कमांडर श्री सुनील कुमार के उत्कृष्ट समन्वय एवं सहयोग से किया गया। इस प्रशिक्षण का मुख्य उद्देश्य होम गार्ड कर्मियों में आपातकालीन जीवन-रक्षक उपायों के प्रति जागरूकता बढ़ाना तथा आपदाओं एवं गंभीर स्थितियों में शीघ्र एवं प्रभावी प्रतिक्रिया देने की उनकी क्षमता को सुदृढ़ करना था।

थाना प्रभारी एस आई सतपाल ने संभाला राजौंद थाने का पदभार

■ नशे के खिलाफ सख्त अभियान और कानून व्यवस्था बनाए रखना रहेगा प्राथमिक लक्ष्य

एसबी ब्यूरो प्रमुख/निर्मल कुमार

राजौंद। राजौंद पुलिस थाने में नए थाना प्रभारी के रूप में सब इंस्पेक्टर सतपाल शर्मा ने पदभार ग्रहण कर लिया है। पूर्व थाना प्रभारी सब इंस्पेक्टर राजकुमार का तबादला पुलिस अधीक्षक कैथल के कार्यालय में कर दिया गया है। पदभार ग्रहण करने के बाद नवनियुक्त थाना प्रभारी ने कहा कि उनकी प्राथमिकता क्षेत्र में नशा मुक्ति समाज, शांति, सुरक्षा और कानून व्यवस्था को सुदृढ़ बनाए रखना होगी।

उन्होंने बताया कि पुलिस अधीक्षक कैथल उपासना के दिशा-निर्देश में राजौंद क्षेत्र में नशे के विरुद्ध विशेष अभियान चलाया जाएगा। युवाओं को नशे से दूर रखने के लिए स्कूलों, कॉलेजों और सामाजिक संस्थाओं के सहयोग से जागरूकता कार्यक्रम आयोजित किए जाएंगे। उन्होंने कहा कि नशा समाज के लिए सबसे बड़ी बुराई है और इससे युवाओं का भविष्य अंधकारमय हो जाता है, परिवार बर्बाद हो जाते हैं। इसलिए पुलिस प्रशासन राजौंद इसकी जड़ तक पहुंचने का प्रयास करेगा। उन्होंने नागरिकों से अनुरोध किया कि नशे का अवैध कारोबार करने वालों की सूचना पुलिस थाना राजौंद में दे, सूचना देने वाले का नाम गुप्त रखा जाएगा।

थाना प्रभारी एस आई सतपाल ने कहा कि यातायात नियमों का उल्लंघन करने वालों पर सख्त कार्रवाई की जाएगी। विशेषकर पटाखे बजाने वाले बुलेट बाइक चालकों पर अंकुश लगाया जाएगा। ओवरलोडेड, आवर हाइट, नियम अनुसार नंबर प्लेट ना लगने वाले वाहन, खिड़की शीशे पर काली रील लगाने वाले, रोग साइड व रफ ड्राइव करने वाले वाहन चालकों पर पुलिस की विशेष निगाह रहेगी। साथ ही चोरी-चकारी, छेड़छाड़ , महीला अपराध, भ्रष्टाचार और अन्य आपराधिक घटनाओं पर भी नियंत्रण रखना उनकी प्राथमिकता में रहेगा।

उन्होंने आमजन से अपील की कि वे पुलिस प्रशासन का सहयोग करें और किसी भी संदिग्ध गतिविधि की सूचना तुरंत पुलिस को दें।एस आई सतपाल पहले भी राजौंद थाने में अपनी सेवाएं दे चुके हैं और क्षेत्र की भौगोलिक व सामाजिक परिस्थितियों से भली-भांति परिचित हैं। स्थानीय नागरिकों ने आशा जताई है कि उनके नेतृत्व में क्षेत्र में कानून व्यवस्था और अधिक सुदृढ़ होगी। उन्होंने दुकानदारों से अनुरोध किया कि सर्दी का मौसम धूंध व कोहरे का मौसम होता है। बाजारों, मोहल्ले में चौकीदार की व्यवस्था सुनिश्चित करें। वाहन चालक अपने वाहनों पर रिफ्लेक्टर जरूर लगाए। वाहन चालक अपनी लाइन में चलें। चार पहिया वाहन चालक सीट बेल्ट का प्रयोग करें। वाहन चालक वाहन चलाते समय मोबाइल फोन पर बात ना करें। दो पहिया वाहन चालक हमेशा हेलमेट लगाकर वाहन चलाएं। वाहन चलाते समय अपने सभी कागजात साथ में रखें।

थाना प्रभारी राजौंद सब-इंस्पेक्टर सतपाल।

उन्होंने कहा कि पुलिस थाना राजौद असामाजिक तत्वों पर विशेष नजर रखेगा। उन्होंने कहा कि अपने मकान किराए पर देने से पहले किराएदार या दुकानों में नौकर रखने से पहले नौकर की पुलिस वेरिफिकेशन जरूर करवा लें। उन्होंने अराजक तत्वों के नाम जारी संदेश में कहा कि पुलिस अधीक्षक कैथल उपासना के निर्देश अनुसार किसी को भी नगर व क्षेत्र की शांति भंग करने की इजाजत नहीं दी जाएगी। शांति भंग करने वाले अराजक तत्वों के साथ राजौंद पुलिस सख्ती से निपटेगी।

हरियाणा के राज्यपाल प्रो. असीम कुमार घोष ने चंडीगढ़ तमिल संगम की सेवा भावना और सांस्कृतिक प्रतिबद्धता की सराहना की

संजना भारती/विज्ञप्ति द्वारा

चंडीगढ़। हरियाणा के राज्यपाल प्रो. असीम कुमार घोष ने रविवार को चंडीगढ़ तमिल संगम की 55वीं वर्षगांठ समारोह के दौरान सामाजिक कल्याण, शिक्षा और सांस्कृतिक सद्भाव में इसके निरंतर योगदान के लिए इसकी सराहना की। इस अवसर पर हरियाणा की प्रथम महिला श्रीमती मित्रा घोष भी उपस्थित थीं। राज्यपाल प्रो. असीम कुमार घोष ने समारोह को संबोधित करते हुए इस ऐतिहासिक समारोह का हिस्सा बनने पर अपार प्रसन्नता व्यक्त की और याद दिलाया कि कैसे तमिल समुदाय के सदस्य लगभग छह दशक पहले चंडीगढ़ आए थे, जब स्वतंत्रता के बाद सिटी ब्यूटीफुल का निर्माण हो रहा था। उन्होंने कहा, "सिटी ब्यूटीफुल के निर्माण और रखरखाव में आपका योगदान अत्यंत सराहनीय है।" उन्होंने संगम द्वारा अपनी एमरल्ड जुबली को दान के उत्सव के रूप में मनाने की पहल की सराहना की।

महामहिम राज्यपाल असीम कुमार घोष ने कैथल में की अधिकारियों के साथ बैठक

■ चंडीगढ़ जाते समय कैथल में किया अल्प-ठहराव

संजना भारती संवाददाता

कैथल/पूंडरी। हरियाणा के महामहिम राज्यपाल प्रोफेसर असीम कुमार घोष ने शनिवार को चंडीगढ़ जाते समय पूंडरी के लोक निर्माण विश्राम गृह में संक्षिप्त ठहराव किया। इस दौरान उन्होंने जिले के अधिकारियों के साथ बैठक की और केंद्र तथा राज्य सरकार द्वारा लागू की गई योजनाओं के अंतर्गत हुए कार्यों की जानकारी प्राप्त कर समीक्षा की। साथ ही जिले में चल रहे स्कूल, कालेज एवं विश्वविद्यालयों के बारे में जानकारी ली। जिला में पहुंचने पर विधायक सतपाल जांबा, डीसी प्रीति, पुलिस अधीक्षक उपासना, एमडी शुगर मिल कृष्ण कुमार ने महामहिम राज्यपाल का स्वागत किया। इस मौके पर महामहिम राज्यपाल की धर्मपत्नी मित्रा घोष भी मौजूद रही।

महामहिम राज्यपाल प्रोफेसर असीम कुमार घोष ने अधिकारियों को निर्देश दिए की सरकार द्वारा लागू की गई हर योजना का लाभ पात्र व्यक्ति तक हर हाल में पहुंचना चाहिए। अगर इस सिद्धांत के आधार पर काम किया जाए तो प्रदेश में और अधिक खुशहाली आएगी। उन्होंने सभी अधिकारियों को जनहित के कार्यों में पारदर्शिता और तेजी बनाए रखने के निर्देश दिए।

इस मौके पर पूंडरी विधायक सतपाल जांबा ने अपने विधानसभा क्षेत्र की उन्नति एवं प्रगति को लेकर चर्चा की। वहीं डीसी प्रीति ने जिले में चल रहे विभिन्न विकास कार्यो एवं योजनाओं के क्रियान्वयन संबधित रिपोर्ट प्रस्तुत की।

राज्यपाल का यह अल्प-ठहराव प्रशासनिक कार्यों की गति को परखने और जमीनी स्तर पर जनता की समस्याओं को समझने की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम रहा।

दीन दयाल लाडो लक्ष्मी योजना के लिए पात्र महिलाएं मोबाइल एप से करें आवेदनः डीसी प्रीति

एसबी ब्यूरो प्रमुख/निर्मल कुमार

कैथल। डीसी प्रीति ने कहा कि मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी के नेतृत्व में हरियाणा सरकार द्वारा दीन दयाल लाडो लक्ष्मी योजना शुरू की है। इसके साथ ही उन्होंने आवेदन के लिए एक एप भी लॉन्च की हुई है। इसमें एक लाख से कम आय वाले परिवार की महिलाओं को योजना का लाभ दिया जाएगा। इसके लिए पात्र महिलाएं जरूरी कागजात को पूरे कर जल्दी आवेदन करें।

उन्होंने बताया कि इस योजना के प्रयोजन के लिए प्रत्येक पात्र लाभार्थी के नाम पर एक चालू बैंक खाता होना चाहिए। पात्र महिला की आयु 23 वर्ष से 60 वर्ष के मध्य होनी चाहिए। परिवार की सत्यापित वार्षिक आय एक लाख रुपये से अधिक ना हो, जो महिला किसी अन्य राज्य से हरियाणा में विवाहित है जिसका पति हरियाणा का निवासी है और आवेदन के समय पिछले 15 वर्षों या उससे अधिक समय से हरियाणा राज्य में रह रहा है वह महिला इस योजना की पात्र है। एक नवंबर से महिलाओं के खाते में योजना का लाभ आना शुरू हो जाएगा।

जिला कैथल उपायुक्त प्रीति।

उन्होंने बताया कि यदि कोई महिला सामाजिक न्याय अधिकारिता एवं अनुसूचित जातियां, पिछड़ा वर्ग कल्याण तथा अंत्योदय सेवा विभाग से किसी अन्य प्रकार की सहायता प्राप्त कर रही है जैसा कि वृद्धावस्था सम्मान भत्ता, विधवा और निराश्रित महिला को वित्तीय सहायता दिव्यांग वित्तीय सहायता, लाडली सामाजिक सुरक्षा, कश्मीरी प्रवासी परिवारों को वित्तीय सहायता, हरियाणा बौना भत्ता, एसिड अटैक वित्तीय सहायता, अविवाहित वित्तीय सहायता का लाभ प्राप्त करने वाली महिला दीन दयाल लाडो लक्ष्मी योजना का लाभ प्राप्त नहीं कर सकती।

डीसी प्रीति ने कहा कि इस योजना का उद्देश्य वित्तीय स्वतंत्रता को मजबूत करके और सामाजिक सुरक्षा प्रदान कर-के महिला सशक्तिकरण को बढ़ावा देना है, जिससे उनकी समग्र भलाई और सामाजिक भागीदारी को बढ़ावा मिले और महिलाएं आत्मनिर्भर बन सके।

दीन दयाल लाडो लक्ष्मी योजना के अंतर्गत प्रत्येक पात्र महिला को 2100 प्रति माह लाभ दिया जाएगा। यह लाभ बैंकों के माध्यम से डीबीटी के तहत वितरित किया जाएगा।

जिला शिक्षा अधिकारी कैथल कार्यालय में शिकायत का समाधान, विभागीय जांच पूरी

एसबी ब्यूरो प्रमुख/निर्मल कुमार

कैथल। जिला शिक्षा अधिकारी कार्यालय कैथल में दर्ज शिकायत संख्या 599379 में विभागीय जांच पूरी कर ली गई है। शिकायतकर्ता धर्मवीर, निवासी गांव कौल, जिला कैथल ने आरोप लगाया था कि डीईओ कैथल कार्यालय में एक कर्मचारी राकेश गोयत पिछले 14 वर्षों से एक ही विभाग में, अमूमन एक ही सीट पर कार्यरत है, जो नीजि स्कूल सम्बंधित मामले ही देखता है। जिससे विभाग में अनियमितता बनी हुई है।

जिला शिक्षा अधिकारी कार्यालय कैथल में 14 साल से एक विशेष विंग में काबिज कर्मचारी की तैनाती बनी चर्चा का विषय

■ विभाग में स्थानांतरण ट्रांसफर ड्राइव के तहत किया जाता है: जिला शिक्षा अधिकारी सुरेश कुमार

सूचना के अनुसार इस मामले में विभाग द्वारा जांच की गई और संबंधित अधिकारी से रिपोर्ट मांगी गई। शिकायतकर्ता धरमबीर सिंह, निवासी कौल को जिला शिक्षा अधिकारी कार्यालय कैथल में मौके पर बुलाया गया। जांच अधिकारी ने अपनी रिपोर्ट में बताया कि शिक्षा विभाग के रिकॉर्ड के अनुसार संबंधित कर्मचारी को विभिन्न कार्यों में लगाया गया है तथा कोई बड़ी लापरवाही अभी तक नहीं पाई गई।

शिकायतकर्ता धर्मवीर सिंह कौल ने सीएम हरियाणा के लिए भेजी अपनी क्लोजर रिपोर्ट में अपनी संतुष्टि व्यक्त करते हुए कहा कि विभाग द्वारा की गई कार्रवाई और जांच प्रक्रिया से वह संतुष्ट हैं। वह आगे कोई कार्रवाई नहीं करवाना चाहता। उन्होंने डीईओ कैथल कार्यालय के अधिकारियों का धन्यवाद किया कि उन्होंने जो शिकायत मुख्यमंत्री हरियाणा के एक्स (ट्विटर) पर की थी। उसकी शिकायत पर शीघ्र कार्यवाही की गई।

प्रदेश सरकार ने लाडो लक्ष्मी योजना लागू कर महिलाओं का बढ़ाया मान-सम्मानः मीनाक्षी शर्मा

संजना भारती संवाददाता

असन्ध। प्रदेश सरकार ने दीनदयाल लाडो लक्ष्मी योजना लागू कर महिलाओं का मान-सम्मान बढ़ाया है। इस योजना के तहत पात्र महिलाओं को 2100 रुपये की मासिक सहायता दी जाएगी। नायब सरकार द्वारा चुनाव में किए गए वादों को लगातार पूरा किया जा रहा है।

उपरोक्त विचार भाजपा पूर्व जिला मीडिया कोऑर्डिनेटर एवं पूर्व भाजपा महिला मोर्चा जिला महामंत्री करनाल डॉ. मीनाक्षी शर्मा सालवन ने कहे। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी सरकार द्वारा देश व प्रदेश को 2047 तक विकसित भारत-विकसित हरियाणा के सपने को साकार करने की दिशा में ऐतिहासिक व सराहनीय कार्य किए जा रहे है। प्रदेश सरकार की इस महत्वाकांक्षी दीन दयाल लाडो लक्ष्मी योजना से न केवल महिलाएं आत्मनिर्भर होगी, बल्कि उनका मान-सम्मान भी बढ़ेगा। मीनाक्षी शर्मा ने कहा कि केंद्र की मोदी सरकार ने महिला सशक्तिकरण के लिए अनेक उल्लेखनीय कार्य किए है।

नारी उत्थान व उनके सम्मान में भाजपा सरकार हमेशा अग्रणी रही है और आगे भी अग्रणी रहेगी। सरकार की यह योजना महिलाओं को आत्मनिर्भर बनाने की दिशा में महत्वपूर्ण कदम है।